केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 269 मंगलवार 23 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

रक्तदान शिविर 24 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मानव एकता दिवस पर निरंकारी भक्तों द्वारा 24 अप्रैल को युग प्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी की स्मृति में उनकी शिक्षाओं से निरंतर प्रेरणा लेते हुए संत निरंकारी मिशन द्वारा मानव एकता दिवस के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन संत निरंकारी सत्संग भवन निकट पांडे बाजार डुमरियागंज रोड बस्ती सुबह 0 बजे से किया गया है।

यह जानकारी संत निरंकारी मंडल बस्ती के मुखी लालमन चौधरी ने बताया कि युग दृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी के वचनानुसार 'रक्त नाड़ियों में बहे नालियों में नहीं ' इस संदेश को मिशन के अनुयायियों ने निश्चित रूप से चरितार्थ किया है और जिसे वर्तमान में सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के निर्देशानुसार निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं के लिए फलाहार , पेयजल एवं लंगर प्रसाद की भी व्यवस्था की गई है।

पृथ्वी दिवस पर लिया धारती में हरियाली का संकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व पृथ्वी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम श्रीनेत ग्लोबल स्कूल, हडिया चौराहा, में मनाया गया। डॉ0 राजेश कुमार , धर्मवीर प्रजापति, बृजेन्द्र सिंह, हरेन्द्र कुमार, श्रीमती मिनी थापा, रानाजी एवं विद्यालय के प्रबन्धक रामप्रताप सिंह द्वारा पृथ्वी दिवस पर अपने–अपने विचार साझा करते हुए पृथ्वी को बचाने हेतु पेड–पौधे लगाने एवं उनकी देख–रेख करने तथा प्लास्टिक से अपने को दूर करने के लिए संकल्प दिलवाया गया। विद्यार्थियों को प्लास्टिक का उपयोग न करने एवं पौधों को लगाने साथ ही साथ जल संरक्षण की तकनीकियों को बताया गया। विद्यार्थियों से कहा गया कि वे यह शपथ लें कि जीवन में 10 पेड़ कम से कम लगाएंगे साथ ही साथ जो लोग जल को बर्बाद करते हैं ऐसे लोगों के बीच में वे जागरूकता फैलाने का कार्य करेंगे क्योंकि आज के बच्चे ही भारत का भविष्य है और भारत में इस तरह के संकट से भविष्य में अपने आप को संरक्षित रखा जा सके इसमें बच्चे ही अहम भूमिका अदा करेंगे । उपस्थित लोगो ने पृथ्वी दिवस पर अपने–अपने विचार साझा करते हुए पृथ्वी को बचाने पेड़ पौधे लगाने एवं उनकी देखरेख करने तथा प्लास्टिक से अपने और अपने परिवार को दूर करने का संकल्प लिया

इस मौके पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहें एवं उनकी भूमिका के लिए सम्मानित किया गया।

6 शिक्षकों से स्पष्टीकरण तलब

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में आयोजित पीठासीन अधिकारीः मतदान अधिकारी प्रथम के प्रशिक्षण में छह शिक्षक रविवार को निर्धारित समय से काफी देर से पहुंचे। इसे लेकर बीएसए अनूप कुमार तिवारी ने कड़ा रूख अख्तियार किया है। इन शिक्षकों से तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण तलब किया गया है। जवाब न देने पर इन पर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। बीएसए ने बताया कि रुधौली ब्लॉक के परिषदीय स्कूल रायठ के अध्यापक सोनू कुमी, परसरामपुर के परिषदीय स्कूल पिकौरा भट्ट के शिव बहादुर वर्मा, रुधौली ब्लॉक के परिषदीय स्कूल नटाईकला के रमेश कुमार वर्मा, रामनगर ब्लॉक के परिषदीय स्कूल डिडई माफी के यशवंत सिंह, विक्रमजोत ब्लॉक के परिषदीय स्कूल शंकरपुर के राजेश कुमार सिंह और परसरामपुर ब्लॉक के परिषदीय स्कूल भैंसहा के अध्यापक शिवनाथ का नाम इस लिस्ट में शामिल हैं।

श्रीराम मंदिर, हिन्दू– मुसलमान, मछली के बाद अब मंगलसूत्र भी निशाने पर

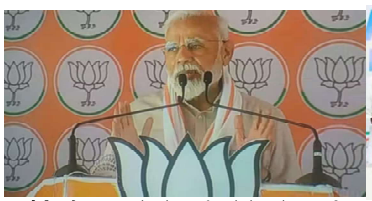

नई दिल्ली (आभा)। देश में इस वक्त लोकसभा चुनाव का माहौल है। श्रीराम मंदिर, हिन्दु– मुसलमान, मछली के बाद अब मंगलसूत्र भी निशाने पर है। तमाम पार्टियां अपने उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार अभियान में जुटी हुई हैं। इसी प्रचार में बीते दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बयान ने सियासी पारा गर्म कर दिया है। पीएम ने कांग्रेस के घोषणा–पत्र में किए गए कुछ वादों को लेकर सवाल किया है। प्रधानमंत्री ने पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के वर्षों पुराने बयान का हवाला देते हुए कांग्रेस से सवाल भी किया कि क्या जनता की मेहनत की कमाई का पैसा घुसपैठियों को दिया जाएगा?

प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान के बाद विपक्ष उन पर हमलावर हो गया है। कांग्रेस ने इसे हेट स्पीच करार दिया है। पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा–पत्र में किसी से कुछ लेकर बांटने की बात नहीं कही गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चुनावी अभियान के तहत रविवार को राजस्थान का दौरा किया। यहां बांसवाड़ा में रैली को संबोधित करते हुए पीएम ने अपने भाषण में कहा, श्कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में कहा है यदि देश में कांग्रेस की सरकार बनेगी तो हरेक की प्रॉपर्टी का सर्वे किया जाएगा। हमारी बहनों के पास सोना कितना है, उसकी जांच की जाएगी, उसका हिसाब लगाया जाएगा। हमारे आदिवासी परिवारों में चांदी होती है, उसका हिसाब लगाया जाएगा। सरकारी मुलाजिमों के पास कितनी जगह है, पैसे कहां हैं, नौकरी कहां है, उसकी उसकी जांच की जाएगी।'

पीएम ने आगे कहा, 'ये जो बहनों का सोना है और जो संपत्ति है, ये सबको समान रूप से वितरित कर दी जाएगी। क्या आपको मंजूर है ये। मेहनत करके कमाई हुई आपकी संपत्ति को सरकार को ऐंठने का अधिकार है क्या? क्या उस संपत्ति को माताओं–बहनों की जिंदगी में सोना सिर्फ शो करने के लिए नहीं होता है। यह उसके स्वाभिमान से जुड़ा होता है। उसका मंगलसूत्र एक सोने किए कीमत का मुद्दा नहीं है, वो उसके सपनों से जुड़ा हुआ मुद्दा है। अपने घोषणा पत्र में तुम उसे छीनने किए बात कर रहे है हो। गोल्ड ले लेंगे, सबको वितरित कर देंगे। और पहले जब उनकी सरकार थी तब उन्होंने कहा था कि देश की संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। इसका मतलब ये संपत्ति इकट्ठी करके किसको बाटेंगे? जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उनको बाटेंगे, घुसपैठियों को बाटेंगे।

दरअसल, 5 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपना घोषणा–पत्र जारी किया था। कांग्रेस ने अपने घोषणा–पत्र को श्न्याय पत्रश नाम से जारी किया था। 48 पन्ने के न्याय पत्र में तमाम वर्गों और क्षेत्रों के लिए न्याय के 10 स्तंभों जोर दिया गया। इन्हीं में से एक है हिस्सेदारी न्याय। घोषणा–पत्र के इसी हिस्से में अल्पसंख्यकों के लिए कुछ वादे किए गए हैं।

अल्पसंख्यक वर्ग के लिए घोषणा–पत्र में लिखा गया है, श्धार्मिक बहुलता भारत के विविध इतिहास को दर्शाता है। इतिहास को बदला नहीं जा सकता। भारत में रहने वाले सभी लोग और भारत में पैदा हुए सभी बच्चे समान रूप से मानवाधिकारों के हकदार हैं, जिसमें कि अपने धर्म का पालन करने का अधिकार भी शामिल है। बहुलतावाद और विविधता भारत की प्रकृति के मूल में हैं और हमारे संविधान की प्रस्तावना में निहित हैं। भारत के इतिहास और लोकतांत्रिक परंपराओं को समझते हुए कांग्रेस का मानना है कि तनाशाही या बहुसंख्यकवाद के लिए देश में कोई जगह नहीं है।

अगुवानी में डीजे पर गाने को लेकर विवाद, किशोर की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बारात की अगुवानी के दौरान डीजे पर गाना बजाने को लेकर दो पक्षों में बवाल हो गया। कुछ ग्रामीणों ने पहले आपत्ति जताई और बाद में लाठी–डंडे से पीटने लगे। इससे बारातियों में भगदड़ मच गई। इस दौरान डंडे की वार से गंभीर रूप से घायल 15 साल के एक किशोर की मौत हो गई। जबकि एक अन्य बराती का भी सिर फट गया। मृतक के पिता ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने पिटाई के बाद बच्चे को गाड़ी से भी कुचला। इस मामले में थाना प्रभारी ने बताया कि तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

ये घटना रुधौली थाना क्षेत्र के निपनियां कला गांव का है। जहां रविवार को रुद्रनारायण मिश्र के घर वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के बंधुआ गनेशपुर निवासी विजयभान उपाध्याय के बेटे शैलेश कुमार की बारात आई थी। इस बारात में पट्टीदार 15 साल का नारायण भी गया था। बताया जा रहा है कि रात में बारात पहुंची। थोड़ी देर बाद द्वारपूजा के लिए बारात रवाना हुई। डीजे पर नाचते–झूमते सभी आगे बढ़ रहे थे। तभी डीजे पर बज रहे एक गाने को लेकर गांव के तीन लोगों ने आपत्ति जताते हुए कहासुनी की।

आरोप है कि थोड़ी देर बाद तीनों लाठी–डंडे से लैस होकर पहुंचे और बारातियों पर हमला कर दिया। जिसके बाद बाराती जान बचाकर इधर–उधर भागने लगे। इनकी पकड़ में आए नारायण को बुरी तरह पीटा और फिर बोलेरो गाड़ी से कुचल भी दिया। मारपीट में एक अन्य बराती को भी चोटें आई हैं। दुस्साहसिक वारदात की सूचना पर सीओ सत्येंद्र भूषण तिवारी और एसएचओ चंदन कुमार गांव में पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली। मृतक नारायण के पिता कृष्णचंद्र उपाध्याय की तहरीर पर पुलिस ने हत्या केस दर्ज कर लिया है। घटना के चलते लड़के वालों ने शादी नहीं टाली और फेरे होने के बाद लड़की की विदाई भी सोमवार की सुबह हो गई।

बाढ नियंत्रण की तैयारियों में जुटा प्रशासन 120 गांवों में होगी 60 अधिकारियों की तैनाती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बाढ़ से प्रभावित होने वाले जनपद के लगभग 120 गांव की निगरानी के लिए 60 अधिकारी तैनात करने के लिए जिला मजिस्ट्रेट अंद्रा वामसी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनपद स्तरीय बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने निर्देश दिया है कि बैराज से छोड़े जाने वाले पानी के समय पर सतर्क निगाह रखें, बाढ़ प्रभावित गांव की कम्युनिकेशन प्लान तैयार करें तथा अति संवेदनशील गांव पर विशेष सतर्कता बरते। उन्होंने सीडीओ को निर्देशित किया है कि निर्माणाधीन सात परियोजनाओं की एक सप्ताह में जांच कमेटी से जांच करा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। लगभग एक माह पूर्व जांच के आदेश दिए गए थे परंतु अभी तक जांच पूरी न किए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त किया तथा अधिशासी अभियंता बाढ़ को चेतावनी दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रायः बैराज से पानी छोड़े जाने पर निचले स्तर पर बाढ़ आती है परंतु इसमें भी दो से तीन दिन का समय लगता है। यदि पानी छोड़े जाने की समय से जानकारी हो जाए, तो इस दौरान हम अपनी तैयारी को बेहतर बना सकते हैं तथा जानमाल की सुरक्षा कर सकते हैं। उन्होंने अधिशासी अभियंता बाढ़ को निर्देशित किया कि उच्च स्तर पर समन्वय स्थापित करते हुए समय से सूचना उपलब्ध कराएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया है कि इमेर्जेन्सी में बांधों की सुरक्षा हेतु आवश्यक सामग्री समय से एकत्र कर ले। बांधों के किनारे बड़ा मैदान, जेसीबी आदि का इंतजाम भी रखें। उन्होंने निर्देश दिया कि बेहतर विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए समय से सभी तैयारियां पूरी करें, समय से कंट्रोल रूम प्रारंभ करें तथा यहां पर प्राप्त होने वाली प्रत्येक सूचनाओं पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में सभी सीएचसी/पीएचसी को सक्रिय रखें, मेडिकल कैंप लगाने की व्यवस्था रखें तथा प्रत्येक बाढ़ चौकी पर स्वास्थ्य कर्मी तैनात करें। इस दौरान सांप काटने पर लगने वाले इंजेक्शन तथा अन्य जीवन रक्षक दवाएं, क्लोरीन की गोलियां, ओआरएस घोल की समुचित व्यवस्था रखें। उन्होंने पशुपालन विभाग को निर्देशित किया कि समय से भूसा एवं चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा बाढ़ के समय में लगने वाले पशुओं के टीका की आपूर्ति सुनिश्चित कराएं। साथ ही अस्थायी गोशालाओं के लिए स्थल चिन्हित कर लें। उन्होंने आपूर्ति विभाग को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप बाढ़ राहत सामग्री की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को बाढ़ के समय विद्युत आपूर्ति रोकने तथा उसे चालू करने में सतर्कता बरतने का विशेष निर्देश दिया है।

समीक्षा में उन्होंने पाया कि जनपद की दो तहसीलें बस्ती सदर एवं हर्रैया के लगभग 120 गांव बाढ़ से प्रभावित होते हैं। जिले में कुल 16 तटबंध है, जिनके मरम्मत एवं रख–रखाव का कार्य बाढ़ खंड प्रथम द्वारा किया जाता है। उन्होंने दोनों उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया है कि वह अपने–अपने क्षेत्र के तटबंधों का निरीक्षण करके रिपोर्ट दें ताकि समय से उनकी मरम्मत कराई जा सके। इस दौरान वे प्रत्येक गांव में बाढ़ समितियां को गठित कर दें। निर्धारित स्थलों पर बाढ़ चौकी के लिए सभी विभागों के कर्मचारियों की तैनाती कर दें तथा उनकी सूची तहसील मुख्यालय पर उपलब्ध कराएं।

अधिशासी अभियन्ता दिनेश कुमार ने बताया कि जनपद में स्थित सभी तटबंधों के लिए बाढ़ खण्ड के सहायक अभियन्ता तथा अवर अभियन्ता की तैनाती करते हुए उनका मुख्यालय निर्धारित कर दिया गया है। इसके साथ बाढ़ नियंत्रण चौकियों पर भी कर्मचारी की तैनाती कर दी गयी है। 01 जून से 31 अक्टूबर तक के लिए बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित करते हुए तीन शिफ्ट में कर्मचारियों की ड्यिूटी लगा दी गयी है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष का टेलीफोन नम्बर–05542–299190 तथा मो0नं0–9473657098 है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के प्रभारी सहायक अभियन्ता हरिश्चन्द्र है।

बैठक में सीडीओ जयदेव सीएस, एडीएम कमलेश चन्द्र, सीएमओ डा. आर.एस. दूबे, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी केशवलाल तथा अवधेश कुमार, विद्युत के महेन्द्र मिश्र तथा मनोज सिंह, उप जिलाधिकारी शत्रुघ्न पाठक तथा विनोद कुमार पाण्डेय, सीबीओ डा. अमर सिंह, सीओ सदर विनय सिंह चौहान तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

योगी सरकार में मंत्री संजय निषाद पर हमला मामले में आठ नामजदः हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

संतकबीरनगर। जिले के मोहम्मदपुर कठार में प्रदेश के कैबिनेट संजय निषाद पर रविवार की रात हुए हमले के मामले में खलीलाबाद कोतवाली पुलिस ने आठ नामदज व कई अन्य अज्ञात लोगों पर हत्या के प्रयास व मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है। तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

मंत्री संजय निषाद के पीएसओ विनोद कुमार सिंह ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि मंत्री संजय निषाद मोहम्मदपुर कठार में शादी समारोह में शामिल होने गए थे। उसी दौरान वहां के ग्राम प्रधान राधेश्याम यादव व कई अन्य ने अचानक सर पर जानलेवा हमला कर दिया। उनका स्टाफ बीच बचाव कर तुरंत अस्पताल के लिए रवाना हुए। इस बीच मंत्री जी बेहोश हो गए। इसकी सूचना मंत्री के स्टाफ ने पुलिस चौकी इंचार्ज मगहर, एसपी व एसडीएम को दी। मंत्री श्री निषाद का जिला अस्पताल में उपचार किया गया। मामले में आरोपितों पर कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर राधेश्याम यादव, जयप्रकाश यादव उर्फ कवि, दुर्गविजय यादव, अभिषेक यादव पीएसी सिपाही, सुरेन्द्र यादव, गजेन्द्र यादव, सुभाष यादव, दुर्गविजय यादव कई अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर किया है। एएसपी शशिशेखर सिंह ने कहा कि मंत्री संजय निषाद पर हमले के मामले में धारा 143, 323, 307 के तहत आठ ज्ञात व अन्य अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही मुख्य आरोपित समेत अन्य को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित

गांधीनगर (आभा)। लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खाते में एक सीट आ गई है। दरअसल, गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। एक अधिकारी के मुताबिक, कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन रद्द होने और अन्य सभी प्रत्याशियों के अपने नामांकन वापस लेने के बाद ऐसे समीकरण बने हैं। नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन आठ उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया।

इससे पहले भाजपा की गुजरात इकाई के अध्यक्ष सीआर पाटिल ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सूरत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहला कमल भेंट किया है। मैं सूरत लोकसभा सीट से अपने उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई देता हूं।

सूरत जिला चुनाव कार्यालय के मुताबिक, मुकेश दलाल को छोड़कर सूरत से मैदान में उतरे सभी आठ उम्मीदवारों (चार निर्दलीय, तीन छोटे दलों से और बहुजन समाज पार्टी के प्यारेलाल भारती) ने आखिरी दिन अपना नामांकन वापस ले लिया।

सुरक्षित पृथ्वी के बिना धरती पर खुशहाल जीवन संभव नहीं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–पृथ्वी दिवस पर सुरक्षित प्रकृति का आवाहन

बस्ती । सुरक्षित पृथ्वी के बिना धरती पर खुशहाल जीवन संभव नही है। धरती पर बढता लगातार ई कचरा, प्लास्टिक बड़े खतरे की घंटी है। समय से न चेते तो इसके नुकसान उठाने होंगे। यह विचार सामाजिक कार्यकर्ता राजेश पाण्डेय ने व्यक्त किया। वे सोमवार को पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से सुमन ग्रामीण विकास सेवा संस्थान द्वारा एसपीवाई आदर्श बालिका विद्यालय गनेशपुर में पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किया।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र–छात्राओं को पृथ्वी की रक्षा, पर्यावरण संतुलन, ग्लोबल वार्मिंग, प्लास्टिक कचरों से बढते खतरे आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और पौधरोपण कर खुशहाल जीवन की कामना किया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रकृति के साथ हमारे गहरे संबंध हैं और इसके बिना मानव जीवन संभव नहीं है। पृथ्वी दिवस पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता के महत्व के बारे में बताने के लिए मनाया जाता है। हमें ग्लोबल वार्मिंग के बारे में पर्यावरणविदों के माध्यम से खतरों की जानकारी और मनुष्य की भूमिका के बारे में जानकारी मिलती है।

कार्यक्रम लतीफ अंसारी, अनिल पाण्डेय, खुशी, रमेश, अनीता आदि ने प्लास्टिक के खतरों पर छात्रों को जानकारी दिया और उन्हें प्रशिक्षण भी दिया। इस अवसर पर विविध कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले छात्रो को प्रमाण–पत्र, शील्ड आदि देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। सुमन ग्रामीण विकास सेवा संस्थान के प्रबन्धक मनोज कुमार श्रीवास्तव ने उपस्थित लोगों का स्वागत करने के साथ ही धरती और प्रकृति के संरक्षण का आवाहन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामललित, सौम्या, राहुल, रामतीरथ, रामललित वर्मा, सार्जन यादव, महीपत चौधरी, अर्जुन चौधरी, बब्लू प्रधान, लवकुश तिवारी, राजू के साथ ही विद्यालय के शिक्षक, छात्र उपस्थित रहे।

पृथ्वी दिवस पर किया पौधरोपण, धरती को प्लास्टिक कचरे से बचाने का संकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पृथ्वी दिवस के अवसर पर सोमवार को लक्ष्मी ग्रामीण विकास सेवा संस्थान द्वारा न्यू सोशल एण्ड साइंस बालिका विद्यालय रघुनाथपुर में अनेक आयोजन किया गये। छात्रों को पृथ्वी दिवस के महत्व, रक्षा, सुरक्षा और योगदान पर जानकारी देने के साथ ही छात्रों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढाया गया।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामलौट यादव ने छात्रों को बताया कि धरती हमें जीवन यापन के लिये सहज रूप से अनेक प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध कराती है किन्तु मनुष्यों द्वारा धरती के संसाधनों के दोहन, सिमटते जल, जंगल, जमीन, जल श्रोतों के प्रदूषण के कारण मनुष्य अनेक प्रकार की बीमारियों का सामना कर रहा है। पृथ्वी की सुरक्षा से ही मानव जीवन सुखी रहेगा।

कार्यक्रम में बबिता यादव, नेहा यादव, रेनू श्रीवास्तव, सुदामा यादव, राजकरन, पूनम यादव, प्रर्मिला आदि ने छात्रों को पृथ्वी दिवस के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दिया और प्लास्टिक कचरों से मुक्ति के लिये जानकारी दिया। इस अवसर पर पौधरोपण कर धरती को बचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले छात्रों को प्रमाण–पत्र, शील्ट देकर उनका हौसला बढाया गया। लक्ष्मी ग्रामीण विकास सेवा संस्थान की प्रबन्धक सुमन श्रीवास्तव ने आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि संस्थान द्वारा समय–समय पर जन सरोकारों को लेकर कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। मुख्य रूप से प्रीती, प्रेमलता, जयकरन, कुलदीप, शुभम, आशीष, राजनाथ, नवल किशोर, रविन्द्र के साथ ही विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक और छात्र मुख्य रूप से शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 23 अप्रैल 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

सन्नाटे का चुनाव और मतदाता

अभी आम चुनाव का प्रथम चरण ही पूरा हुआ है पर ऐसा नहीं लगता कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव जैसी कोई महत्वपूर्ण घटना घट रही है। चारों ओर एक अजीब सन्नाटा है। न तो गांव, कस्बों और शहरों में राजनीतिक दलों के होर्डिंग और पोस्टर दिखाई दे रहे हैं और न ही लाऊडस्पीकर पर वोट मांगने वालों का शोर सुनाई दे रहा है, चाय के ढाबों और पान की दुकानों पर अक्सर जमा होने वाली भीड़ भी खामोश है। जबकि पहले चुनावों में ये शहर के वो स्थान होते थे जहां से मतदाताओं की नब्ज पकडना आसान होता था। आज मतदाता खामोश है। इसका क्या कारण हो सकता है। या तो मतदाता तय कर चुके हैं कि उन्हें किसे वोट देना है पर अपने मन की बात को जुबान पर नहीं लाना चाहते। क्योंकि उन्हें इसके सम्भावित दुष्परिणामों का खतरा नजर आता है। ये हमारे स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छा लक्षण नहीं है।

जनसंवाद के कई लाभ होते हैं। एक तो जनता की बात नेता तक पहुंचती है दूसरा ऐसे संवादों से जनता जागरूक होती है। अलबत्ता शासन में जो दल बैठा होता है वो कभी नहीं चाहता कि उसकी नीतियों पर खुली चर्चा हो। इससे माहौल बिगडने का खतरा रहता है। हर शासक यही चाहता है कि उसकी उपलब्धियों को बढ़ा–चढ़ाकर मतदाता के सामने पेश किया जाए। इंदिरा गांधी से नरेन्द्र मोदी तक कोई भी इस मानसिकता का अपवाद नहीं रहा है। आमतौर पर यह माना जाता था कि मीडिया सचेतक की भूमिका निभाएगा। पर मीडिया को भी खरीदने और नियंत्रित करने पर हर राजनीतिक दल अपनी हैसियत से ज्यादा खर्च करता है। जिससे उसका प्रचार होता रहे। पत्रकारिता में इस मानसिकता के जो अपवाद होते हैं वे यथासंभव निष्पक्ष रहने का प्रयास करते हैं ताकि परिस्थितियों और समस्याओं का सही मूल्यांकन हो सके। पर इनकी पहुंच बहुत सीमित होती है, जैसा आज हो रहा है। ऐसे में मतदाता तक सही सूचनाएं नहीं पहुंच पातीं। अधूरी जानकारी से जो निर्णय लिए जाते हैं वो मतदाता, समाज और देश के हित में नहीं होते। जिससे लोकतंत्र कमजोर होता है।

सब मानते हैं कि किसी भी देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था ही सबसे अच्छी होती है क्योंकि इसमें समाज के हर वर्ग को अपनी सरकार चुनने का मौका मिलता है। इस शासन प्रणाली के अंतर्गत आम आदमी को अपनी इच्छा से चुनाव में खड़े हुए किसी भी प्रत्याशी को वोट देकर अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार होता है। इस तरह चुने गए प्रतिनिधियों से विधायिका बनती है। एक अच्छा लोकतंत्र वह है जिसमें राजनीतिक और सामाजिक न्याय के साथ–साथ आर्थिक न्याय की व्यवस्था भी है। देश में यह शासन प्रणाली लोगों को सामाजिक, राजनीतिक तथा धार्मिकस्वतंत्रता प्रदान करती है। आज भारत में जो परिस्थिति है उससे जनता भ्रमित है। उसे अपनी बुनियादी समस्याओं की चिंता है पर उसके एक हिस्से के दिमाग में भाजपा और संघ के कार्यकर्त्ताओं ने ये बैठा दिया है कि नरेन्द्र मोदी अब तक के सबसे श्रेष्ठ और ईमानदार प्रधानमंत्री हैं इसलिए वे तीसरी बार फिर जीतकर आएंगे जबकि जमीनी हकीकत अभी अस्पष्ट है।

क्षेत्रीय दलों के नेता काफी तेजी से अपने इलाके के मतदाताओं पर पकड़ बना रहे हैं। और उन सवालों को उठा रहे हैं जिनसे देश का किसान, मजदूर और नौजवान चिंतित है। इसलिए उनके प्रति आम जनता की अपेक्षाएं बढ़ी हैं इसलिए 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं की रैलियों में भारी भीड़ आ रही है। जबकि भाजपा की रैलियों का रंग फीका है। हालांकि चुनाव की हवा मतदान के 24 घंटे पहले भी पलट जाती है इसलिए कुछ कहा नहीं जा सकता। 70 के दशक में हुए जयप्रकाश आन्दोलन के बाद से किसी भी राजनीतिक दल ने आम मतदाताओं को लोकतंत्र के इस महापर्व के लिए प्रशिक्षित नहीं किया है। जबकि अगर ऐसा किया होता तो इन दलों को चुनाव के पहले मतदाताओं को खैरात बांटने और उनके सामने लम्बे चौड़े झूठे वायदे करने की नौबत नहीं आती। हर दल का अपना एक समर्पित काडर होता। जबकि आज काडर के नाम पर पैसा देकर कार्यकर्त्ता जुटाए जाते हैं या वे लोग सक्रिय होते हैं जिन्हें सत्ता मिलने के बाद सत्ता की दलाली करने के अवसरों की तलाश होती है। ऐसे किराए के कार्यकर्त्ताओं और विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता का अभाव ही दल बदल का मुख्य कारण है। इससे राजनेताओं की और उनके दलों की साख तेजी से गिरी है। एक दृष्टि से इसे लोकतंत्र के पतन का प्रमाण माना जा सकता है।

हालांकि दूसरी ओर ये मानने वालों की भी कमी नहीं है कि इन सब आंधियों को झेलने के बावजूद भारत का लोकतंत्र मजबूत हुआ है। उसके करोड़ों आम मतदाताओं ने बार–बार राजनीतिक परिपक्वता का परिचय दिया है। जब उसने बिना शोर मचाए अपने मत के जोर पर कई बार सत्ता परिवर्तन किए हैं। मतदाता की राजनीतिक परिपक्वता का एक और प्रमाण यह है कि अब निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रभाव लगभग समाप्त हो चला है। 1951 के आम चुनावों में 6 प्रतिशत निर्दलीय उम्मीदवार जीते थे जबकि 2019 के चुनाव में इनकी संख्या घटकर मात्र 0.11 प्रतिशत रह गई। स्पष्ट है कि मतदाता ऐसे उम्मीदवारों के हाथ मजबूत नहीं करना चाहता जो अल्पमत की सरकारों से मोटी रकम ऐंठकर समर्थन देते हैं। मतदाताओं की अपेक्षा और विश्वास संगठित दलों और नेताओं के प्रति है यदि वे अपने कर्त्तव्य का सही पालन करें तो। इसलिए हमें निराश नहीं होना है। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हमारे परिवार और समाज में राजनीति के प्रति समझ बढ़े और हर मतदाता अपने मत का प्रयोग सोच समझकर करे। कोई नेता या दल मतदाता को भेड़–बकरी समझकर हांकने की जुर्रत न करे।

कम मतदान से किसका सियासी नुकसान

–डॉ.ओ.पी. त्रिपाठी–

लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान हो चुका है। इस बार के चुनाव में पिछले चुनाव से मतदान का प्रतिशत कम रहा। इससे प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस की चिंता बढ़ गई है। मतदान का कम प्रतिशत उनके लिए अबूझ पहेली बना हुआ है। मतदान प्रतिशत में गिरावट ने सभी दलों की बेचैनी बढ़ा दी है। दलों ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को अगली चरण की खातिर सतर्क कर दिया है। वहीं राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि मतदान कम या ज्यादा से हार और जीत का आकलन नहीं लगाया जा सकता है।

आम चुनाव, 2024 के प्रथम चरण का मतदान कई मायनों में अप्रत्याशित रहा है। कुल मतदान शनिवार की रात्रि 11 बजे तक करीब 65.5 फीसदी रहा। यह 2019 की तुलना में 4 फीसदी कम रहा है। सबसे अधिक मतदान संघशासित क्षेत्र लक्षद्वीप में 84.16 फीसदी किया गया। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और सिक्किम में 80 फीसदी से ज्यादा मतदान हुए, लेकिन फिर भी 2019 की तुलना में 2 फीसदी तक कम हुए। सिर्फ छत्तीसगढ़ में 2 फीसदी मतदान ज्यादा किया गया। जम्मू–कश्मीर सरीखे संवेदनशील क्षेत्र में 68.27 फीसदी मतदान शानदार माना जा सकता है, लेकिन वहां भी 2019 से 1.88 फीसदी मतदान कम हुआ। सबसे कम मतदान बिहार की सीटों पर 49 फीसदी से कुछ ज्यादा रहा, लेकिन 4 फीसदी कम मतदाता वोट देने घर से निकले। उप्र और उत्तराखंड जैसे भाजपा वर्चस्व के राज्यों में 5–6 फीसदी मतदान कम किया गया। मध्यप्रदेश, राजस्थान और मिजोरम आदि राज्यों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ।

दक्षिण, पूर्व, पश्चिम में सब कुछ अनिश्चित है। हालांकि मध्यप्रदेश में 67.76 फीसदी मतदान हुए, लेकिन ये 7.31 फीसदी कम रहे। क्या मतदाताओं में भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी को जनादेश देने का उत्साह और जुनून कम हो गया है? पूर्वोत्तर में दो विरोधाभास उभर कर सामने आए हैं। मणिपुर में हिंसा के बावजूद 72.17 फीसदी लोगों ने मतादिकार का इस्तेमाल किया, लेकिन टूटी ईवीएम, लुटे बूथ, फटी वीवीपैट पर्चियों के चित्र मणिपुर में ही देखे गए हैं, जिनसे मतदान के दौरान हालात के अनुमान लगाए जा सकते हैं। पूर्वोत्तर में ही नागालैंड राज्य में 4 लाख मतदाताओं से अधिक, राज्य के करीब 30 फीसदी वोटरों ने, 6 जिलों की 20 विधानसभा सीटों पर, बहिष्कार के कारण एक भी वोट नहीं डाला। ये अधिक स्वायत्तता वाले अलग क्षेत्र की मांग करते रहे हैं और केंद्र सरकार फिलहाल उसमें नाकाम रही है, लिहाजा उन्होंने चुनाव के बहिष्कार का आह्वान किया था। फिर भी 56.91 फीसदी मतदान हुआ।

बेशक 2019 की तुलना में वह 26 फीसदी कम रहा। मणिपुर में भी 10.52 फीसदी मतदान कम हुआ। समग्रता में देखें, तो आम चुनाव के प्रथम चरण में 16 करोड़ से अधिक मतदाताओं को मताधिकार का इस्तेमाल करना था, लेकिन 6.12 करोड़ भारतीयों ने वोट ही नहीं डाले। यह चुनाव के प्रति उदासीनता है या मतदाताओं को चुनाव दिशाहीन, अर्थहीन लगते हैं? यह सोच लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ भी है। जितना मतदान किया गया है, वह न तो सरकार के खिलाफ माना जा सकता है और न ही विपक्ष को चुनने के प्रति उत्साही और उत्सुक लगता है।

एक धारणा और है कि जिस क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय की संख्या अधिक होती है, वहां के बूथों पर वोट ज्यादा बरसता है और दूसरे समुदाय की अधिकता वाले बूथों के वोटर मताधिकार के प्रति लापरवाह या उदासीन रहते हैं। इस बार यह धारणा भी लगभग निर्मूल दिख रहा है। पहले चरण का मतदान बता रहा है कि सभी सीटों पर वोटरों ने बूथों पर जाने से परहेज किया। वहां भी जहां पिछले दो चुनावों से 70 प्रतिशत से ज्यादा वोट पड़ रहे थे, इस बार पांच से दस प्रतिशत तक कम वोट पड़े हैं। 2019 और 2014 से तुलना करें तो यूपी में पहले चरण की आठ सीटों में से पांच पर कम वोट पड़े। सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, कैराना, बिजनौर एवं नगीना के वोटरों ने उत्साह नहीं दिखाया। ऐसा क्यों हुआ? मतदान में गिरावट से पार्टियों की हार–जीत पर भी असर पड़ सकता है क्या?

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार आजादी के बाद कई चुनावों में वोट प्रतिशत में उतार–चढ़ाव के बावजूद कांग्रेस ही सत्ता में बनी रही। कोई ट्रेंड नहीं दिखा। वर्ष 2009 के चुनाव में 58.21 प्रतिशत वोट पड़े थे, जो 2014 में करीब आठ प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 66.44 प्रतिशत हो गया। इसे परिवर्तन की लहर बताया गया, किंतु 2019 के चुनाव में बढ़कर 67.40 प्रतिशत हो गया। फिर भी सरकार नहीं बदली। पहले से ज्यादा सीटों से मोदी सरकार की वापसी हुई। इसी तरह 1999 की तुलना में 2004 में करीब दो प्रतिशत कम वोट पड़े। फिर भी सरकार बदल गई। जाहिर है कि कम या ज्यादा मतदान से हार–जीत का आकलन नहीं किया जा सकता।

इस बार पहले चरण में किसी भी तरफ 'लहर' महसूस नहीं हुई। ऐसा लगता है मानो औसत मतदाता ने यह धारणा बना ली है कि मोदी को ही आना है। यह सोच कर ही मतदाता पोलिंग स्टेशन से तटस्थ रहा है। कुछ मुस्लिम बहुल इलाकों की खबरें सामने आई हैं कि उन्होंने भी मोदी को ही तीसरी बार प्रधानमंत्री मान लिया है, लिहाजा कोई भी ध्रुवीकरण दिखाई नहीं दिया। हमने मतदान के इस चरण को 'खामोश और भ्रमित चुनाव' माना है। इस चरण से पहले 38 फीसदी पात्र युवाओं ने ही निर्वाचन आयोग में अपना पंजीकरण कराया था, लेकिन युवाओं में भी ज्यादा उत्साह देखने को नहीं मिला।

कांग्रेस उम्मीदवार से लेकर नेता तक चुनाव से पहले ही यह मान चुके हैं कि उनकी हार तय है। यह बात पहले चरण के चुनाव प्रचार में भी नजर आई है। कांग्रेस का कार्यकर्ता प्रचार तक के लिए नहीं निकला। मतदान के दिन तो बूथ पर भी कांग्रेस के एजेंट नहीं थे। वहीं भाजपा का कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के प्रचार अभियान में जी जान से जुटा रहा। कांग्रेस का कार्यकर्ता तो मतदान करने ही नहीं निकला और मतदान का प्रतिशत कम रहने की वजह भी यही है। लगता है विपक्षी दलों के नेता और कार्यकर्ता जिनके कंधों पर अधिक से अधिक मतदान कराने की जिम्मेदारी थी, वो आराम फरमा रहे हैं। भाजपा का हर बूथ पर 70 फीसदी वोट हासिल करने के साथ पिछले चुनाव के मतदान से 370 वोट बढ़ाने का लक्ष्य है। जो वोट पड़े हैं उसका बड़ा हिस्सा भाजपा को मिलेगा। राज्यवार ये आंकड़ा कम या ज्यादा हो सकता है।

अभी चुनाव का लंबा समय और छह चरण बाकी हैं। बहरहाल अभी तो मतदान के छह और चरण शेष हैं। गर्मी का मौसम भी ज्यादा गर्म और लू वाला होना है। कई जगह मई में ही बारिश की शुरुआत हो सकती है, लिहाजा मौसम के कारण इतना मतदाता घर से न निकले, समझ में नहीं आता। कम मतदान पर कहा जाता है कि वोटरों में सरकार के प्रति उत्साह नहीं है। उदासीनता है। जैसा चल रहा है वैसा ही चलता रहेगा लेकिन भारत में चुनावों का इतिहास बताता है कि कम या ज्यादा मतदान के नतीजे मिले–जुले ही आते रहे हैं। परिवर्तन और यथास्थिति के अनुमान को किसी फॉर्मूले पर नहीं कसा जा सका है। फिर भी गिरते वोट प्रतिशत ने सभी दलों को बेचैन कर दिया है। हार के खतरे का आकलन दोनों तरफ से किया जा रहा है।

–चिकित्सक एवं लेखक

युद्ध के बीच अस्त–व्यस्त दुनिया

–एम.के. नारायणन–

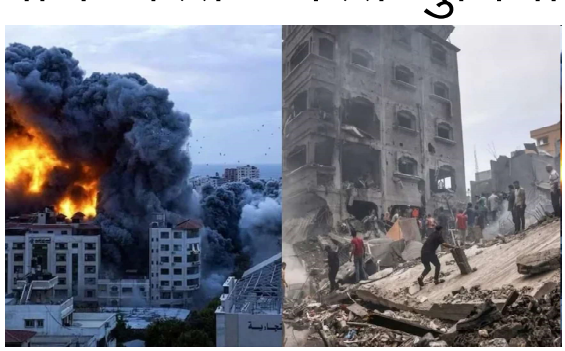

शायद ही कभी दुनिया भर में परिस्थितियों के संयोजन ने भविष्य के बारे में ऐसा कहा हो। इसके लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। लापरवाह नेता जेलेंस्की और इसराईल के बेंजामिन नेतन्याहू, जो संघर्ष में हैं, के पास इसमें शामिल होने की कोशिश करने की न तो इच्छा है और न ही समझ। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन में युद्ध के परिणाम के प्रति समान उपेक्षा दिखाते हैं, और प्रदर्शित करते हैं कि अपने अंतिम उद्देश्य को प्राप्त करने के बारे में गहन निकट दृष्टि होनी चाहिए। संयुक्त राज्य अमेरीका, जिसे शुरू में उम्मीद थी कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) यूरोप में तत्काल 1945 के बाद की विश्व व्यवस्था को बहाल करने में निर्णायक हार दे सकता है, खुद को एक संकट में पाता है।

इस बीच, हमास के 2023 के बड़े हमले से झपकी ले रहे नेतन्याहू ने सामान्य प्रतिष्ठा के अनुरूप इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है और गाजा के नागरिकों पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं जो वास्तव में नरसंहार के समान है। इस पर दुनिया भर में अलग–अलग राय है, लेकिन पश्चिम एशिया में यह और भी अधिक है, और यह धार्मिक विभाजन को और अधिक बढ़ा रहा है। इस क्षेत्र में 'पासा पलटने' का निर्धारण करने वाले एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में ईरान का फिर से उभरना एक अप्रत्याशित गलती रही है।

बढ़ती अराजकता के बीच नेतृत्व का अभाव रु 2022 के बाद से बढ़ती अराजकता और एक अनुपस्थित नेतृत्व के बीच भू–राजनीति विभिन्न प्रकार की अव्यवस्था में रही है। जबकि 'नियम–आधारित आंतरिक व्यवस्था', जो मूल रूप से पश्चिम की देन है, आज लगभग खत्म हो चुकी है, यह सभी क्षेत्रों में शांति बनाए रखने में सफल रही है। जैसे–जैसे पश्चिम कमजोर होता गया, चीन के उदय के साथ–साथ एक नया गठबंधन उभर कर सामने आया। हालांकि, उनमें से किसी के पास एक शांतिपूर्ण वैश्विक भावना बनाए रखने के लिए पर्याप्त ताकत नहीं है। आज दुनिया के बड़े हिस्से में 'शूटिंग युद्ध' यूक्रेन और गाजा जैसे कुछ हिस्सों तक ही सीमित हैं। जो बात परेशान करने वाली है वह ऐसे नेताओं की अनुपस्थिति है, जिनके पास विवेकशील क्षमता है, जिनके पास विभिन्न देशों और महाद्वीपों में कुछ हद तक जानकारी है, चाहे वह जिनपिंग हों, व्लादिमीर पुतिन हों या जो बाइडेन हों। अधिकांश अन्य पश्चिमी नेताओं में स्पष्ट रूप से शांतिपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक गुण नहीं थे। कई लोगों को अपनी जागीर बचाए रखने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इतिहास की प्रगति और वर्तमान प्रौद्योगिकियों की प्रगति से इतिहास के अधिकांश अवशेषों को सीमित करने का खतरा है। स्थिति और भी खराब होने वाली है। यूक्रेन में गतिरोध जेलेंस्की, पुतिन और पश्चिम के साथ जारी है और सभी लोग उचित समझौते पर विचार नहीं कर रहे हैं।

इस प्रकार, 2024 में यूरोप में पिछले 2 वर्षों से जो हो रहा है उसकी पुनरावृत्ति देखने को मिलेगी। क्या निरंतर गतिरोध इन देशों को युद्ध क्षेत्र में परमाणु हथियारों के अकल्पनीय उपयोग पर विचार करने के लिए मजबूर करेगा, यह फिर से बहस का विषय है। इस बीच, पश्चिम एशिया में स्थिति गंभीर होती जा रही है। इसराईल एक 'घायल बाघ' की तरह व्यवहार कर रहा है, जो गाजा के नागरिकों को अक्षम्य क्षति पहुंचा रहा है। अब इसे ईरान से सीधा खतरा है, जिसने पहले ही अपने वाणिज्य दूतावास पर हमले के लिए इसराईल पर 'गोलियां' चला दी हैं। सभी संकेत ईरान के पुनरुत्थान की आशंका की ओर इशारा करते हैं, जिसके बाद पश्चिम की ओर निर्देशित उग्रवादी 'जेहादीवाद' और विभिन्न प्रकार के 'काफिरों' का नेतृत्व ईरान अपने हाथ में ले लेगा। ईरान–इसराईल युद्ध के निहितार्थ वास्तव में गंभीर हैं।

गठबंधनों का एक नया सेट रू आज, महान शक्ति प्रतिद्वंद्विता एक छाया खेल से कुछ अधिक प्रतीत होती है, जिसका शायद ही कोई अर्थ है। युद्धग्रस्त यूक्रेन के बाहर, और वर्तमान समय में पश्चिम एशिया टाइम बम जैसा दिखता है। अमरीका और चीन अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए छद्म तरीकों का उपयोग करते हुए दिखावा कर रहे हैं। 2020 में अफगानिस्तान के बाद से लगातार मिल रही असफलताओं के बाद अमरीका अभी भी अपने अहंकार से उबर नहीं पाया है, जिसने इसके महाशक्ति के रूप में प्रचारित होने से जुड़ी अधिकांश चमक को हटा दिया है। यूरोप के मामले में, रूस के हमले से खुद को बचाने के लिए नाटो पर निर्भर रहने के कारण, उसके पास देने के लिए बहुत कम है। अपने राजकोष पर भारी लागत के बावजूद, यूरोप का जेलेंस्की पर फिर से बहुत कम प्रभाव है। पूरे क्षेत्र में स्थिति शायद ही कभी इतनी अनुकूल दिखी हो। पूर्व में, चीन के आर्थिक 'संकटों' ने उससे लगभग एक महाशक्ति होने की चमक छीन ली है, जो सैन्य और आर्थिक रूप से अमरीका और पश्चिम को चुनौती देने के लिए अच्छी स्थिति में है। पिछले कई महीनों में चीन को राडार के नीचे काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है और एक महाशक्ति के रूप में उसकी छवि कम हो गई है। फिर भी, इसने इसे पूरे पश्चिम एशिया में कई नए गठबंधन बनाने से नहीं रोका है।

विघ्न डालने वाले रू तेल की राजनीति एक ऐसी चीज है जिसे दुनिया अधिक समय तक नजरअंदाज नहीं कर सकती। चीन–रूस–ईरान के बीच बढ़ती निकटता और धुरी से संकेत मिलता है कि सैन्य गठबंधन के अलावा, तेल की राजनीति निकट भविष्य में दुनिया को परेशान करने के लिए तैयार है। ऐसे माहौल में आज के प्रतिबंधों का कोई मतलब नहीं रह गया है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, दुनिया को एक बड़ी मंदी के लिए तैयार रहना चाहिए। इसके निहितार्थ यूक्रेन और गाजा में मौजूदा युद्धों या प्रशांत क्षेत्र में संभावित विस्फोट से कहीं अधिक विघटनकारी हो सकते हैं। इसके बाद, प्रौद्योगिकी अंतिम विघटनकारी बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। कई अग्रणी देशों द्वारा महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों की रक्षा करके अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए स्पष्ट प्रयास किए जा रहे हैं, जिस पर आज उनका लगभग एकाधिकार है। जहां तक पारंपरिक युद्ध पद्धतियों का सवाल है, आष्टफिशियल इंटैलीजैंस पहले से ही एक संभावित खतरा है, लेकिन जहां अमरीका और चीन को आज सैन्य रूप से सबसे शक्तिशाली माना जाता है, वहीं छोटे राष्ट्र खेल के मैदान को बराबर करने के लिए आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस को नियोजित करके चुनौती पेश करने लगे हैं। अंत में, यह कहना काफी है कि अधिकांश हथियार नियंत्रण समझौते खराब हो चुके हैं।

(लेखक इंटैलीजैंस ब्यूरो के पूर्व निदेशक, पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल हैं)

विज्ञान की सांस मानवता की आस

–रेनू सैनी–

प्रारंभ से अभी तक विश्व में अनेक आविष्कार हुए हैं। उन आविष्कारों ने न केवल मानव का अपितु पूरे ब्रह्मांड का कायापलट कर दिया है। अनेक अति महत्वपूर्ण आविष्कारों में से एक आविष्कार है कलम और पुस्तक। कलम की धार जहां सबसे अधिक तीव्र मानी जाती है, वहीं पुस्तक का स्वर सबसे अधिक तीखा। वे हमसे और आपसे बातें भी करती हैं। पुस्तकों की आवाज वहां तक पहुंचती है, जहां तक कोई आवाज नहीं पहुंच पाती। आदित्य रहबर ने अपनी कविता 'किताबें' में लिखा है कि

'किताबों का अलग एक अपना धर्म होता है
जहां विज्ञान सांस लेता है
मानवता मुस्कराती है।'

पुस्तकें व्यक्ति के अंतर्मन और व्यक्तित्व को पूरी तरह संवार देती हैं। पढ़ना एक छेनी की तरह है। छेनी का प्रयोग पत्थर की आकृति को संवारने में किया जाता है। अगर छेनी का प्रयोग न किया जाए तो पत्थर किसी कलाकृति और आकृति में न ढल पाए। उसी तरह यदि पुस्तकें न होतीं तो व्यक्ति का व्यक्तित्व खुरदरा ही रहता। पुस्तकें पढ़ने से व्यक्ति का खुरदरा व्यक्तित्व चिकना होता है। अबिगैल वैन बुरेन से गंभीर पाठक अवश्य परिचित होंगे। उन्हें 'प्रिय एब्बी' के नाम से भी जाना जाता है। वे एक मार्गदर्शन प्रदान करने वाला कॉलम लिखा करती थीं। उनका यह मार्गदर्शन वाला कॉलम 50 से भी अधिक वर्षों से चल रहा है। उनके उस कॉलम को पढ़कर अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। एक बार उनसे कहा गया कि यदि आपको युवाओं को कोई सलाह देने के लिए कहा जाए तो आप उन्हें क्या सलाह देंगी? इस पर वे मुस्कराते हुए बोलीं, 'यदि मैं युवाओं को सलाह दूंगी तो यह है पढ़ो, पढ़ो, पढ़ो! पढ़कर आप वास्तविक और काल्पनिक संसारों के लिए द्वार खोल देंगे। जानकारी के लिए पढ़ें, आनंद के लिए पढ़ें। हमारे पुस्तकालय ज्ञान तथा आनंद से भरे हुए हैं और यह सब यहां पर मौजूद हैं। जो व्यक्ति पढ़ता नहीं है, वह उस व्यक्ति से बेहतर स्थिति में नहीं है, जो पढ़ नहीं सकता।'

पुस्तकें जीवन का ऐसा हथियार हैं जो मुसीबत और समस्याओं के सामने सर्वोत्तम हथियार साबित होती हैं। पुस्तकें बोलती हैं क्योंकि इनको पढ़ने वाले व्यक्ति के व्यक्तित्व में गजब का सकारात्मक परिवर्तन आ जाता है। पुस्तकों से बातें करने वाला व्यक्ति समाज को ऐसे मार्ग पर ले जाता है जहां पर समाज सुखद परिवर्तनों से चौंक उठता है।

यशोदा, उत्तर प्रदेश स्थित कौशांबी गांव से है। उनका परिवेश पूरी तरह से हिन्दी था। उन्होंने 12वीं कक्षा हिन्दी माध्यम से पास की थी। बचपन से ही यशोदा को पढ़ने का बहुत शौक था। किताबों के इस शौक ने यशोदा को न केवल मुसीबतों से उभारा, बल्कि उसके अंदर एक ऐसा हुनर भी उत्पन्न किया जिससे गांव वाले दांतों तले अंगुली दबाते रह गए।

लगभग 28 वर्षीय यशोदा विवाहित है। पहले यशोदा ग्रामीण बहुओं की तरह रहकर अपने सास–ससुर की सेवा करती थी। एक दिन उनके पति राधे सड़क दुर्घटना के शिकार हो गए। वे दिहाड़ी मजदूर थे। उनके बिस्तर में पड़ने से रोजी–रोटी की दिक्कतें बढ़ गईं। घर का गुजारा चलाना मुश्किल हो गया। अब परिवार क्या करे? ऐसे में यशोदा ने पुस्तकों के माध्यम से स्वयं को निखारा। उसने बहुत सोचा–विचारा कि आखिर अपने पुस्तक प्रेम से वह कैसे रोजगार की तलाश पूर्ण करे?

एक दिन उनसे अपने आसपास देखा तो पाया कि वहां की बालिकाएं और युवा अंग्रेजी से बहुत झिझकते थे। बस यशोदा को राह मिल गई और वे इस राह पर चल पड़ी। किसी को कुछ सिखाने से पहले उसमें स्वयं प्रवीण होना अनिवार्य है। ऐसे में यशोदा ने कमर कस ली। उन्होंने अंग्रेजी की पुस्तकें एवं समाचार–पत्र पढ़ने आरंभ कर दिए। अनेक पुस्तकें ऑनलाइन ऑर्डर कर उनको पढ़ा। पुस्तकें पढ़ने के बाद उन्होंने अंग्रेजी बोलने और लिखने का अभ्यास किया। अंग्रेजी बोलने वाले वीडियो लगातार सुने। जब उन्हें लगा कि अब वे अपने कार्य में कुशल हो गई हैं तो उन्होंने गांव की बच्चियों और विद्यार्थियों को अंग्रेजी की कक्षाएं देनी आरंभ कर दीं। उन्होंने अपना अंग्रेजी सिखाने का यूट्यूब चौनल भी खोल लिया। कुछ ही समय बाद उनका गांव प्रसिद्ध हो गया। जब लोगों ने यह देखा कि एक ग्रामीण बहू घूंघट में अंग्रेजी बोलती है तो सभी ने दांतों तले अंगुली दबा ली। यशोदा का कहना है कि, 'यदि पुस्तकें मेरी मित्र नहीं होतीं तो मैं कभी भी अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाती। आज मैं जो कुछ भी हूं वह सिर्फ पुस्तकों के कारण हूं।'

थाने की जमीन मजार के नाम करने में लेखपाल गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। सादुल्लाहनगर थाने की जमीन को मजार के नाम खतौनी में दर्ज किए जाने के मामले में पुलिस ने तत्कालीन लेखपाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने बताया कि जमीन हेराफेरी करके फर्जी अभिलेखों के आधार पर कब्जाने का केस बीते दिनों दर्ज हुआ था, जिसमें पूर्व सपा विधायक आरिफ अनवर हाशमी समेत उनके परिजन व मजार से जुड़ी समिति के सदस्यों को नामजद किया गया था। पुलिस जांच में तत्कालीन लेखपाल की भूमिका उजागर हुई है। सादुल्लाहनगर थाना परिसर के गाटा संख्या 696 में 18 डिसिमल जमीन 27 जून 2013 को पूर्व विधायक आरिफ अनवर हाशमी के विधायक रहते हुए अपने भाई मारुफ अनवर हाशमी को फर्जी मुत्तवल्ली बनाकर मजार शरीफ बाबा शहीदे मिल्लत अब्दुल कुद्दुस शाह रहमतउल्ला अलैह के नाम गलत तरीके से राजस्व अभिलेख में दर्ज कराया था। मामला उजागर होने पर डीएम के निर्देश पर स्थानीय लेखपाल संतोष कुमार ने एक अप्रैल 2024 को केस दर्ज कराया था। मामले में मुत्तवल्ली मारुफ अनवर हाशमी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस जांच में यह तथ्य सामने आया कि मारुफ अनवर हाशमी के प्रार्थना पत्र पर तत्कालीन हलका लेखपाल मो. सईद ने खतौनी में हेराफेरी की थी। उसी ने विधायक को लाभ पहुंचाने के लिए मजार के नाम जमीन दर्ज कर दिया था। पुलिस ने थाना गैड़ास बुजुर्ग के इटईरामपुर सुब्बनजोत गांव निवासी सेवानिवृत्त लेखपाल मो. सईद को गिरफ्तार किया।

प्रभारी निरीक्षक वीएन सिंह ने बताया कि आरोपित सेवानिवृत्त लेखपाल को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। थाने की जमीन हड़पने के मामले में पूर्व विधायक आरिफ अनवर हाशमी ने हाईकोर्ट से गिरफ्तारी पर स्टे हासिल कर रखा है। उनके अधिवक्ता ने हाईकोर्ट में दलील पेश की थी कि कोई विधायक राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी कैसे कर सकता है। इसी आधार पर हाईकोर्ट से गिरफ्तारी पर रोक लग गई थी। अब पुलिस ने राजस्व अभिलेख में नाम परिवर्तन के जिम्मेदार लेखपाल कर जांच को आगे बढ़ा दिया है। इससे पूर्व विधायक की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती दिखाई पड़ रही हैं। प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि विवेचना से स्थितियां स्पष्ट हो गई हैं। अब मामले के अन्य जिम्मेदारों की गिरफ्तारी का प्रयास तेज होगा।

छत पर सो रहे व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता–देवरिया। थाना क्षेत्र के रामपुर गौनरिया में छत पर सो रहे एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। सुबह उसका शव छत पर ही मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महुआडीह थाना क्षेत्र के रामपुर गौनरिया के रहने वाले छांगुर राजभर (45) पुत्र लक्ष्मण मजदूरी का काम करता था। परिजनों की माने तो रविवार की रात को वह कहीं से आया और छत पर सो गया। देर रात तक उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। सोमवार की सुबह देर तक जब नहीं उठा तो परिवार के लोग उसे जगाने गए, छत पर उसे मृत अवस्था में देख कर रोने लग गये और चिल्लाने लगे। परिजनों की रोने की आवाज सुनकर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इक्कठा हो गयी। इसकी जानकारी किसी ने पुलिस को दे दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत पर बाद से पत्नी इसरावती व मां रेशमा देवी का रो–रो कर बुरा हॉल था। मृतक की केवल चार बेटियां ही हैं। वह चार भाईयों में सबसे बड़ा था।

सात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

संवाददाता–देवरिया। मारपीट के मामले में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। लार थाना क्षेत्र के नेमा गांव निवासी राजन सिंह पुत्र स्वर्गीय शिव शंकर सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि 14 अप्रैल को उनकी भूसा बनाने की मशीन अरुण सिंह पुत्र चन्द्रिका सिंह निवासी बभनौली के खेत में चल रही थी।

वहां पर चचेरे भाई अम्बुज सिंह मशीन चलवा रहे थे। तभी वहां पर विनोद सिंह पुत्र परमहंस आकर बोलने लगे कि यहां पर बस मेरी मशीन चलेगी। इसका विरोध अम्बुज सिंह ने किया तो हाथापाई करने लगे।

गोंड जाति का प्रमाण पत्र जारी करने के लिए विद्यार्थियों का अनशन शुरू

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल तहसील में सोमवार को गोंड जाति का प्रमाण पत्र जारी करने के लिए क्षेत्र के गोंड बिरादरी के विद्यार्थियों ने अनशन शुरू कर दिया। इन विद्यार्थियों ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

अनशन पर बैठे अर्पिता गोंड, दीपक गोंड, धर्मेंद्र गोंड, अभय गोंड आदि का कहना है कि सभी तहसीलों में गोंड जाति का आवेदन मनमाने तौर पर निरस्त किया जा रहा है, जो कि शासनादेश का उल्लंघन है। इनका कहना है कि नवोदय विद्यालय में नव प्रवेशित छात्र छात्राओं के नामांकन के लिए तत्काल जाति प्रमाण पत्र जारी किया जाना चाहिए। इनकी मांग है कि इस कार्य में लापरवाही करने वाले तहसील के जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इनका यह भी कहना है कि गोंड जाति का जाति प्रमाण पत्र जारी करने का आधार पूर्व में जारी अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति प्रमाणपत्र और शपथ पत्र के आधार पर निर्गत किया जाए।

राम की पैड़ी पर दर्शन कर श्रद्धा के साथ आरती उतार रहे हैं श्रद्धालु

–भारतीय बस्ती संवाददाता– आयोध्या। प्रभु श्री राम की पावन नगरी आयोध्या में पहली बार ऐसी धार्मिक स्थापना हुई है जिसने आराधना और पारलौकिक अनुभव को एक नई गतिशीलता प्रदान की है। कलर्स टीवी चैनल ने अपने दर्शकों को श्लक्ष्मी नारायणश के दिव्य दर्शन देने के लिए राम की पैड़ी घाट पर एक नवीन और बहु–आयामी 4 डी एंगेजमेंट मंदिर की स्थापना की है, ताकि लोगों को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के अद्भुत दर्शन का विविध अनुभव प्राप्त हो सके। इस अद्भुत 4डी मंदिर की स्थापना के बाद, आयोध्या आने वाले तीर्थयात्रियों और प्रयात्रियों को पहली बार भगवान लक्ष्मी–नारायण के अनोखे दर्शन करने का अनुभव मिलेगा। इस मनमोहक मंदिर के रूप में, एक विशाल 12 फीट का 4डी लक्ष्मी नारायण मंदिर निर्मित किया गया है और दर्शक इसका आनंद 20 अप्रैल से 23 अप्रैल तक केवल राम की पैड़ी घाट पर उठा सकते हैं।हर घर में लक्ष्मी नारायण का वास है, कलर्स का आगामी पौराणिक शो श्लक्ष्मी नारायणश 22 अप्रैल से सोमवार से शुक्रवार तक रात 10 बजे प्रसारित होगा, और यह अपने दर्शकों को सुख, सामर्थ्य और संतुलन का खजाना हासिल करने की कुंजी प्रदान करेगा।भव्यता का परिचायक बनने वाले सेट डिजाइन और श्रेष्ठ वी. एफ.एक्स के साथ, इस शो में श्रीकांत द्विवेदी और शिव्या पठानिया क्रमशरू भगवान नारायण और देवी लक्ष्मी की भूमिका में हैं। राम पैड़ी पर अयोध्या के पुलिस अधिकारी भी लक्ष्मी नारायण का विशेष दर्शन किया।

सचिवों ने मल्हीपुर थाने में दी तहरीर, भाकियू ने दिया धरना

संवाददाता–श्रावस्ती। जमुनहा ब्लाक में सचिव की पिटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को जिले भर के सचिवों ने मल्हीपुर थाने में पहुंच कर पिटाई के आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की। वहीं भाकियू ने जमुनहा तहरीर में धरना देकर परिवार रजिस्टर की नकल दिलाने की मांग की। विकास खण्ड कार्यालय जमुनहा में तैनात सचिव प्रदीप यादव शनिवार को अपनी ग्राम पंचायतों में बूथ का भ्रमण कर 12रू30 बजे जैसे ही विकास खण्ड गेट पर पहुंचे थे कि तभी पहले से भाकियू का बैनर हाथ में लिए घात लगाए बैठे ननकन्ने पुत्र झुर्रा निवासी पटना बीरगंज, अमरपाल पुत्र गोठे निवासी गुरुदत्त पुरवा, अम्बिका प्रसाद पुत्र जगमोहन निवासी गनेशपुर, गुरुप्रसाद पुत्र सूबेदार निवासी शिकारी पसियनपुरवा एवं जमुन प्रसाद विश्वकर्मा पुत्र मुन्नू निवासी बीरपुर लौकिहा ने लाठी डंडों से हमला बोल दिया था। वहीं ब्लाक कर्मी अजीजुर्रहमान, चन्द्रमणि शुक्ला,अमित सोनकर जब बीच बचाव करने आये तो इन लोगों को भी लाठी डंडों से पीटा गया व जाती सूचक गालियां दी गयी। इस दौरान सचिव के हाथ में सरकारी दस्तावेज मौजूद थे जिनको दबंगो ने फाड़ दिया। सचिव के साथ मारपीट की घटना से जिले के सभी सचिव आक्रोशित हो गए और सोमवार को मल्हीपुर थाने में पहुंच कर आरोपियों पर मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई की मांग की। वहीं भाकियू ने जमुनहा तहसील में धरना दिया। भाकियू की मांग थी वीरपुर लौकिहा की महिला धनवासा को उसके पति का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाय।

गैंगरेप, धर्मान्तरण मामले में पीड़ित को मिल रही धमकी

संवाददाता–बहराइच। हरदी थाने के एक गांव में पड़ोस के कुछ लोगों ने दलित किशोरी का ननिहाल से अपहरण कर धर्मांतरण कराकर निकाह किया था। तीन दिन तक पांच लोगों ने किशोरी को रेप का शिकार बनाया था। इस मामले में एसपी ने खुद गांव जाकर तहकीकात की थी। इसका में केस भी दर्ज हुआ था। पीड़िता ने विवेचक की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाए हैं। उसका आरोप है कि दो आरोपी जेल भेजे गए, जबकि तीन का शांति भंग में चालान किया गया जो जमानत पर छूटने के बाद केस में सुलह लगाने को धमका रहे हैं।

हरदी थाने के एक गांव निवासिनी महिला गूंगी है। उसने अपनी बीमार मां की सेवा के लिए 15 वर्षीय पुत्री को ननिहाल भेज दिया था। इस बीच ननिहाल में तीन फरवरी की रात अनीस, सद्दाम, मोहिउद्दीन, अलीम व बउरा किशोरी को अगवाकर दूसरे गांव में ले गए। जहां पर मौलवी बुलाकर अपहर्ता एक युवक के साथ धर्म परिवर्तन कराकर निकाह करा दिया था। किशोरी के अचानक लापता होने के तीन दिनों तक नानी व मां खोजती रहीं और तमाम कोशिशों के बाद पड़ोसी दबंगों ने किशोरी को नानी के घर तो पहुंचा दिया, पर मुंह बंद रखने की धमकी दी थी। हिन्दुस्तान में प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने पर इस मामले में एसपी के निर्देश पर पांच के विरुद्ध अपहरण, बंधक बनाकर गैंगरेप, पाक्सो, विधि विरुद्ध धर्मान्तरण, दलित उत्पीड़न की धाराओं में केस दर्ज किया गया था। विवेचना सीओ महसी को सौंपी थी।

एसपी के निर्देश पर इस मामले का पर्यवेक्षण एएसपी ग्रामीण कर रहे है। पीड़िता का आरोप है कि इस मामले में विवेचक की कार्यप्रणाली शक के दायरे में है। पांच नामजदों में दो को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, जबकि तीन का शांति भंग में चालान कर दिया गया,जबकि वह संज्ञेय धाराओं में नामजद थे। इस मामले में क्या कार्यवाई हुई अफसर यह नहीं बताते। उल्टे केस दर्ज कराने वाली पीड़िता की मौसी को ही जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं। दूसरी ओर छूटे तीनों आरोपी व उसके सहयोगी केस में सुलह का दवाब बनाने को जानमाल की धमकी दे रहे हैं। पीड़िता व उसके परिवार के लिए खतरा बढ़ गया है। अनिल कुमार सिंह, सीओ ने कहा कि नामजद पांचों आरोपियों का चालान किया गया है। हाई लेबिल पर्यवेक्षण में तहकीकात चल रही है।

संदिग्ध अवस्था में पोखरे में मिला अज्ञात शव

संवाददाता–महराजगंज। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के परतावल छातीराम नहर के किनारे सोमवार की सुबह पोखरे में संदिग्ध परिस्थिति में करीब पैंतीस वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिला। घटना की सूचना मिलते ही परतावल चौकी इंचार्ज व श्यामदेउरवा थाना के प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस के मोर्चरी में भेज दिया। 72 घंटे तक शव के पहचान का प्रयास किया जाएगा। शिनाख्त नहीं होने पर शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद अंतिम संस्कार पुलिस कराएगी।

परतावल चौकी क्षेत्र के छातीराम में नहर के समीप जिस पोखरी में शव मिला, उसमें इतना पानी नहीं है कि कोई डूब कर मर जाए। युवक का शव का आधा हिस्सा पानी व आधा पानी के बाहर था। घटना स्थल से सौ मीटर दूर शराब की भट्ठी है। ऐसे में घटना को लेकर कई तरह की चर्चा है। कुछ लोगों को अंदेशा है कि नशे में धूत होने के बाद युवक पोखरी की तरफ गया था। होगा। पानी में गिरने से मौत हो गई होगी। वहीं कुछ लोग हत्या की आशंका से भी इंकार नहीं कर रहे हैं। श्यामदेउरवा थाना के प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि अगल बगल के थानों व जिले में शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। शव को जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस के मोर्चरी में भेज दिया गया है।

माध्यमिक विद्यालयों के छात्र बनाए जाएंगे हुनरमंद

संवाददाता–देवरिया। अब माध्यमिक विद्यालयों में व्यवसायिक शिक्षा से छात्रों को हुनरमंद बनाया जाएगा। जिससे वह पढ़ाई समाप्त करने के साथ स्वरोजगार कर अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें। अभी तक जिले के 12 माध्यमिक विद्यालयों में ही इसे लागू किया गया था। अब आने वाले समय में इसे राजकीय विद्यालयों के साथ वित्त पोषित विद्यालयों में भी लागू किया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रावधानों के अनुरूप स्कूल में पढ़ने वाले सभी छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा से आच्छादित करने का प्रावधान है। इसके लिए पहले चरण में कुछ राजकीय विद्यालयों में इसे लागू किया गया। जिससे छात्र व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने के लिए रोजगार परक शिक्षा प्राप्त कर सके। इसे जिले के सभी राजकीय और वित्त पोषित विद्यालयों में लागू किया जाना है। जिससे इन विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा दिया जा सके। इसके लिए माध्यमिक के शिक्षा निर्देशक डॉ.महेन्द्र देव ने प्रदेश के सभी डीआईओएस को पत्र भेजकर जिले में माध्यमिक विद्यालयों में चल रहे व्यावसायिक शिक्षा के बारे में जानकारी मांगी है। इसक साथ ही जिले में उन विद्यालयों की सूची भी मांगी है जिसमें व्यावसायिक शिक्षा के लिए अतिरिक्त कक्ष की व्यवस्था,स्कूल के बारे में जानकारी, छात्रों की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। जिससे आने वाले दिनों में जिले के 22 में से 10 और 122 वित्त पोषित विद्यालयों में इसे संचालित किया जा सके। इसके लिए विभाग के कर्मचारी तैयारी में लग गए है। डीआईओएस कार्यालय के कर्मचारी विभाग को व्यावसायिक शिक्षा के बारे में राजकीय और वित्त पोषित विद्यालयों के बारे में सूचना स्कूलों से मांगा है। कर्मचारी एक एक विद्यालय को प्रारुप भेजकर उसके बारे में जानकारी मांगी है। जिसमें जनपद का नाम, कक्षा 9,10,11,12 में अध्यनरत विद्यार्थियों का विवरण, स्कूल में शिक्षण कक्ष की संख्या, विद्याल चयन के पूर्व व्यावसायिक शिक्षा से संबंधित योजना से आच्छांदित है अथवा नहीं। स्कूल में व्यावसायिक शिक्षा दिया जा रहा था तो योजना का नाम, सम्बधिंत योजना का ट्रेड या जॉब रोल का नाम, जॉब रोन के संचालन के लिए कक्षों की संख्या, व्यवसायिक शिक्षा में ट्रेड या जॉब रोल के लिए आवश्यक उपकरणों व सामग्री की व्यवस्था है।

न्यायालय पर पीठासीन की तैनाती को लेकर लिखा पत्र

संवाददाता–बलरामपुर। अतिरिक्त मुंसिफ न्यायालय पर पीठासीन अधिकारी की तैनाती की मांग को लेकर अधिवक्ता संघ उतरौला ने उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायमूर्ति को पत्र लिखा है। मुंसिफ न्यायालय उतरौला परिसर में दो न्यायालय मुंसिफ उतरौला व अतिरिक्त मुंसिफ न्यायालय हैं। दोनों न्यायालयों पर करीब तीस हजार मुकदमे विचाराधीन हैं। इसके साथ पांच थाना उतरौला, श्रीदत्तगंज, रेहरा बाजार, गैंड़ास बुजुर्ग व सादुल्लाह नगर क्षेत्र के अपराधिक मुकदमे की सुनवाई का क्षेत्राधिकार मिला है। मुकदमे की बढ़ती संख्या को देखते हुए उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायमूर्ति ने एक न्यायालय मुंसिफ उतरौला के पद पर विगत दिनों तैनाती कर दी, लेकिन एक न्यायालय अतिरिक्त मुंसिफ न्यायालय के पद रिक्त हैं। अतिरिक्त मुंसिफ की तैनाती न होने से न्यायालय पर मुकदमे का बोक्ष बढ़ता जा रहा है। अतिरिक्त मुंसिफ न्यायालय पर अतिरिक्त मुंसिफ तैनाती की मांग को लेकर अधिवक्ता संघ उतरौला अध्यक्ष प्रहलाद यादव ने उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायमूर्ति को पत्र लिखकर तत्काल तैनाती किए जाने की मांग की है।

विवाहिता की हत्या मामले में सास गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। थाना क्षेत्र के ग्राम बहुवन मदार माझां के रामपाल पुरवा में विवाहिता की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी सास को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि करीब चालीस दिन पूर्व दहेज की मांग को लेकर विवाहिता की हत्याकर उसका शव घाघरा नदी में फेंक दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने सोमवार को आरोपी सतौली सास रीता सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी क्षेत्र के चरसड़ी चौराहे से हुई है। जिले के थाना तरबगंज, ग्राम रांगी निवासी पिता कौशल किशोर सिंह नें चौदह अप्रैल को परसपुर थाने में दहेज की मांग को लेकर पति हरिकेश सिंह, सास, ससुर समेत आधा दर्जन ससुरालीजनों पर बेटी कोमल सिंह की हत्या कर शव घाघरा नदी में फेंके जाने की रिर्पोट दर्ज कराई थी। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने दर्जन भर गोताखोरों की मदद से दो दिन बाद नदी से शव बरामद किया था।

धर्म को धारण कर उसका पालन करने वाला मानव जीवन सर्वोत्तम

संवाददाता–देवरिया। लार विकास खण्ड के चुरिया गांव में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस पर आचार्य ब्रजेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि इस संसार में धर्म का पालन करना व धर्म को धारण करना मनुष्य जीवन का सर्वोत्तम उद्देश्य है। धर्म की व्याख्या करते हुए उन्होंने बताया कि धर्म का अर्थ होता है–धारण किए जाने वाला, आचरण करने योग्य। धार्यते जनैरिति धर्म मनुष्यों द्वारा जिसे धारण किया जाता है। अर्थात मनुष्यमात्र जिसे अपने आचरण में लाए वह ही धर्म कहलाता है। धर्म को धारण करने वाला, धर्म को अपने जीवन में आचरण करने वाला, धर्म के आधार पर अपने जीवन को जीने वाला, व्यक्ति धार्मिक कहलाता है। इस दृष्टि से धर्म वह होगा, जिसका आचरण करने से, जिसको धारण करने से मनुष्य जीवन सुव्यवस्थित रूप से चलता रहे। जिसके अनुसार चलने से मनुष्य अपने निर्दिष्ट लक्ष्यानुसार जीवन निर्वाह करते हुए अपने मनुष्य जीवन को सार्थक बनाए। कथा के विस्तार के क्रम में कथा व्यास ने बताया की मनुष्य जीवन में नरक धोबी घाट के जैसे है। जहां पर उनके कर्मों का फल मिलता है। फल भोगने के पश्चात वही जीव पुनः इस संसार में आता है और भगवत भक्ति के द्वारा अपने जीवन को मुक्त कर सकता है। इस दौरान रघुवंश मिश्रा, उद्धव मिश्रा, धर्मेंद्र मिश्रा, सत्येंद्र मिश्रा, राज, करन, पवन पाठक, बबलू मिश्रा, विकास, वीरेंद्र, आदित्य, आनंद, रमेश, दिनेश आदि रहे।

आधार कार्ड की समस्या को लेकर सीएम को लिखा पत्र

संवाददाता–बलरामपुर। लोकतंत्र सेनानी चौधरी इरशाद अहमद गद्दी ने आमजन के आधार कार्ड की समस्या को देखते हुए लोकवाणी व जनसेवा केंद्रों पर, आधार कार्ड बनाए जाने को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है। दिए गए पत्र में कहा है कि जन्म से लेकर मृत्यु तक आधार कार्ड की अनिवार्यता बनी हुई है। क्षेत्रीय लोगों को आधार कार्ड बनवाने में तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

श्री गद्दी ने दिए गए पत्र में कहा है कि किसी भी कार्य के लिए आधार कार्ड आवश्यक हो गया है। यह जनपद बलरामपुर ही नहीं पूरे उत्तर प्रदेश में समस्या बनी हुई है। क्योंकि आधार कार्ड बनाने एवं संशोधन का दायित्व बैंक व डाकघर को ही मिला है। जहां पर बैंकिंग कार्य का दबाव अधिक होने तथा नेटवर्क की समस्या के चलते एक व्यक्ति को आधार कार्ड बनवाने में महीनों का समय लग जाता है। जिससे वह व्यक्ति राज्य एवं केंद्र सरकार की कई योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाता है। डाकघर उतरौला एवं बैंक में आधार कार्ड बनवाने के लिए महीनों चक्कर लगाना पड़ता है। श्री चौधरी का कहना है कि आधार कार्ड बनाने वाले कर्मी बिना सुविधा शुल्क लिए लोगों की समस्या का समाधान नहीं कर रहे, जिस पर रोक लगानी होगी। साथ ही जनहित को देखते हुए डाकघर एवं बैंक के अलावा अन्य निजी क्षेत्रों, लोकवाणी व जनसेवा केंद्रों पर आधार कार्ड बनाने का दायित्व सौंपा जाना चाहिए, ताकि समय से लोगों के नए आधार बन सके और पुराने में संशोधन हो सके।

हादसों में दर्शन करने जा रहे युवक समेत दो की मौत

संवाददाता–गोण्डा। जिले में हुए अलग–अलग हादसों में दो युवकों की मौत हो गई। कोतवाली देहात क्षेत्र में रेशम फार्म के पास सोमवार सुबह कार ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, तरबगंज क्षेत्र में शादी में शामिल होने आए युवक की घर लौटते समय दुर्घटना में मौत हो गई। दो अन्य हादसों में तीन लोग जख्मी हो गए।

परसपुर थाना क्षेत्र के डेहरास ग्राम पंचायत के मजरा पलटू पुरवा निवासी 32 वर्षीय सर्वेश पुत्र राम मूरत गोस्वामी और 30 वर्षीय अखिलेश पुत्र ज्ञानभारती बाइक से देवीपाटन मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। बताया जा रहा है कि रेशम फार्म के पास गोण्डा–डेहरास मार्ग स्थित गोड़री पुरवा के पास कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से दोनों को तत्काल जिला मुख्यालय स्थित मेडिकल कालेज पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने सर्वेश को मृत घोषित कर दिया जबकि, अखिलेश का इलाज चल रहा है। अखिलेश की मां नीलम ने बताया कि दोनों डीजे बजाने का काम करते हैं। रविवार रात शादी समारोह में डीजे बजाने के बाद तड़के ही नहाधोकर देवी पाटन मंन्दिर के दर्शन करने के लिए घर से निकले थे।

वहीं, कुन्नू (24)पुत्र महावीर सेमरी पदारथपुरवा परसपुर गांव के अपने मित्र आशुतोष पाण्डेय पुत्र प्रताप नारायण के साथ उसकी ससुराल में रविवार की शाम शादी में सम्मिलित होने के लिए आया था। सोमवार सुबह चार बजे कुन्नू अपने मित्र आशुतोष पाण्डेय को लेकर उसकी ससुराल खुदेपुर शंभूदत्त शुक्ला के घर से निकला। इसी बीच चंदीपुर गांव के पास सामने से आ रहे चौपहिया वाहन से बचने के लिए नियंत्रण खोकर बिजली खंभे से टकरा गए। इसकी जानकारी रिश्तेदारो को सुबह राहगीरों से मिली। जिसके बाद आनन फानन में लोग घटनास्थल पर पहुंचे तो पता चला कि चालक कुन्नू की मौत हो चुकी है। वहीं, आशुतोष पाण्डेय बेहोश पड़ा था। होश आने पर उसने घटना की जानकारी दी। सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परसपुर थाना क्षेत्र में रगड़गंज मार्ग पर रविवार देरशाम ग्राम चरहुआं मोड़ के पास एक बाइक सवार युवक सड़क किनारे घायलावस्था में मिला है। एंबुलेंस से उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। होश में आने पर उसने अपना नाम ब्लॉक के चंदापुर किटौली नयी बस्ती निवासी विकास पुत्र बबलू बताया।

तेंदुए ने युवक पर किया जानलेवा हमला, लड़कर युवक ने बचाई जान

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा क्षेत्र के ग्राम सेमरहवा टोला बर्तानी निवासी एक 30 वर्षीय युवक सुनील राजभर पर सोमवार को दोपहर बाद जंगल किनारे तेंदुए ने हमला कर दिया। यह युवक पैदल ही निमंत्रण देने चकदह के दोमुहान घाट पर रोहिन नदी पार कर ही रहा था कि तेंदुए ने हमला कर दिया। अपनी जान बचाने के लिए युवक तेंदुए से दस मिनट तक लड़ता रहा। इस दौरान तेदुंए के हमले से पैर, हाथ, पीठ, नाक पर गहरे जख्म हो गए। युवक का शोर सुनकर दौड़े चरवाहों को देखकर तेंदुआ उसे छोड़कर जंगल की तरफ भाग गया। जख्मी युवक को परिजन रतनपुर सीएचसी में भर्ती कराए, जहां उसका इलाज चला। बीते 15 दिनों में चकदह व सेमरहवा में खूंखार तेंदुए ने पांच लोगों पर हमला बोला है, जिनमें एक 72 वर्षीय साधु शिवप्रसाद की इलाज के दौरान मौत हो गई है। इस तेंदुए के खौफ के साए में लोग जी रहे हैं। ग्राम पंचायत सेमरहवा टोला बर्तानी निवासी 30 वर्षीय सुनील राजभर कंबाइन चलाता है। रविवार को उसके रिस्तेदार ग्राम पंचायत चकदह टोला महुलैना के घर लड़के की शादी थी। शादी का निमंत्रण देने के लिए सोमवार को सुनील महुलैना के लिए घर से 1.30 बजे पैदल निकला। करीब 2.30 बजे वह चकदह गौशाला से 500 मीटर दक्षिण जंगल में रोहिन नदी व बघेला नाले के दोमुहान घाट को जैसे ही पार करके उपर चढ़ा कि तभी सामने तेंदुआ आकर खड़ा हो गया। तेंदुए ने सुनील पर जानलेवा हमला बोल दिया। हिम्मत दिखाते हुए युवक तेंदुए से भिड़ गया। करीब दस मिनट तक वह तेंदुए से लड़ता रहा। युवक का हिम्मत देख तेंदुआ पीछे हट गया। जैसे ही युवक चलना शुरू किया कि तेंदुआ नेपीछे से फिर हमला बोल दिया। शोर सुनकर दौड़े चरवाहों को देख तेंदुआ जंगल की तरफ भाग गया।

तेंदुए के हमले से जख्मी सुनील ने बताया कि तेंदुए के डर से जंगल के किनारे होकर जा रहा था। सोचा कि चकदह गौशाला होकर जाएंगे तो महुलैना जल्दी पहुंच जाएंगे। उसने बताया कि तेंदुआ तीन बार उस पर हमला किया था। दो बार सामने से हमारी उसकी दस मिनट तक लड़ाई चली थी। तीसरी बार पीछे से पीठ व कान पर हमला किया। पहले दो हमले मे तेंदुए ने पैर व हाथ में गहरा जख्म दिया, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी। लगातार हो रहे तेंदुए के हमले से चकदह व सेमरहवा क्षेत्र के ग्रामीण दहशत में हैं। पूर्व प्रधान मनोज राजभर, अखिलेश, धीरेन्द्र राजपूत, रामअचल राजभर, राजेश, विनोद, वृजनरायण, बेनी यादव, उमेश, सुबाष ,पन्ने, जितेन्द्र, ममता, हरिकेशी, बन्देशवर सिंह, श्रीराम साहनी, राममूरत, शिवनाथ,दुर्गेश, चकदह प्रधान विरेन्द्र राजभर, चन्द्रभानु, शिब्बन राना, जोगिंदर आदि का कहना है कि ग्रामीण तेंदुए के खौफ के साए में जी रहे हैं। नौतनवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चकदह टोला शाहपुर गांव से पूरब बघेला नाले के पास जंगल के किनारे स्थित कुटी के पास और सेमरहवा क्षेत्र मे मिलकर 15 दिनो के अन्दर तेंदुआ अब तक पांच लोगों पर हमला बोल चुका है। इनमें इलाज के दौरान रुद्रपुर उर्फ बनगाई निवासी 72 वर्षीय साधु शिवप्रसाद की इलाज के दौरान शनिवार की सुबह मौत हो चुकी है।

पटाखे की चिंगारी से घर में लगी आग, पांच लाख की सम्पत्ति राख

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल क्षेत्र के ग्राम सभा रेंगहिया में रविवार की रात वैवाहिक कार्यक्रम में पटाखा छोड़ते समय निकली चिंगारी से हरिलाल पुत्र रघुवीर के घर में आग लग गई। इससे हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंचे शितलापुर पुलिस चौकी के कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से आग बुझाई। तब तक घर में रखे सामान जल कर राख हो गए थे। अग्निपीड़ित हरिलाल का पुत्र बैजनाथ ने बताया कि अचानक लगी इस आग से मोटरसाइकिल, कपड़ा, जेवर,अनाज बर्तन व नकदी समेत लाखों से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

अग्निपीड़ित बैजनाथ ने बताया कि 27 अप्रैल को घर पर भतीजी की सगाई होनी है। इसको लेकर घर पर सामान, जेवर,नगदी रखी थी। रविवार को गांव में बारात आई थी, जिसमें पटाखा छोड़ा जा रहा था। पटाखे की जिंगारी से घर में आग लग गई। ग्रामीणों ने पंपिंग सेट चलाकर आग को बुझाया। इस संबंध में ग्राम प्रधान नरेंद्र चौहान ने बताया कि हल्का लेखपाल से घटना की सूचना दी गई है। लेखपाल ने बताया कि स्थल निरीक्षण के बाद सरकारी प्रावधान के अनुरूप मुआवजा भुगतान के लिए कार्रवाई की जाएगी।

शादी में आए दो युवकों की हादसे में मौत

संवाददाता–महराजगंज। गोरखपुर–सोनौली फोरलेन पर रविवार की रात परसौनी चौराहे के समीप किसी वाहन की ठोकर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए उसे मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर किया गया, जहां सोमवार की भोर में उसकी भी मौत हो गई। पुरन्दरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसौनी में रविवार की रात दोनों युवक शादी कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। शादी कार्यक्रम से किसी आवश्यक कार्य के लिए दोनों युवक बाइक परसौनी चौराहे पर गोरखपुर–सोनौली राजमार्ग पर पहुंचे। उसी दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। इस घटना में राम सजीवन उर्फ गुड्डू (45) निवासी वनगंवा सिद्धार्थनगर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे युवक निरंजन चौहान पुत्र फागू चौहान (35) निवासी पोखरभिण्डा– फरेंदा को घायलावस्था में पुलिस ने एम्बुलेंस से इलाज के लिए लक्ष्मीपुर सीएचसी पर भेजा। वहां उसकी स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। गोरखपुर में इलाज के दौरान सोमवार को भोर में निरंजन चौहान की भी मौत हो गई। थानाध्यक्ष पुरंन्दरपुर पुरुषोत्तम राव ने बताया कि शादी में युवक रामसजीवन की घटनास्थल पर ही मौत हुई थी। दूसरे युवक की मेडिकल कालेज गोरखपुर में मौत की सूचना मिली है। इस मामले में जरूरी कार्रवाई की जा रही है।

मां ने दुधमुंहे बच्चे की हत्या की, पानी की टंकी में दम घुटने तक बच्चे को डुबोई रही महिला

संवाददाता–बस्ती। हर्रैया थाना क्षेत्र के अमारी बाजार के महाबीरन पूर्व में पांच माह के बच्चे का शव पानी की टंकी में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। पहले मां ने बताया कि उसे बेहोश कर किसी ने बेटे को ले जाकर पानी की टंकी में फेंक दिया। लेकिन, आशंका जताई जा रही है कि मां ने ही बेटे को पानी की टंकी में डुबोकर मार दिया। वहीं, मां परिजनों पर आरोप लगा रही।

जिले में एक मां ने अपनी मासूम बच्चे को मौत के घाट उतार दिया। मां ने 5 महीने के बच्चे को घर में लगी पानी की टंकी में डुबोकर मार डाला।जैसे ही इसकी जानकारी ससुराल वालों को हुई तो घर में कोहराम मच गया। वहीं, गांव में सनसनी फैल गई।हर कोई ये जानकर हैरान था कि क्या कोई मां इस हद तक भी जा सकती है कि वह अपने ही दुधमुंहे बच्चे की हत्या कर दे।

फिलहाल, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्यारोपी मां को हिरासत में ले लिया है। ससुराल वालों का कहना है कि हत्या की आरोपी बहू पर बाहरी शक्ति का साया है। वह मानसिक रूप से ठीक नहीं थी।अब पुलिस महिला से पूछताछ कर रही है।

पूरा मामला बस्ती के हर्रैया थाना क्षेत्र के अमारी बाजार का है।यहां एक मां ने अपने ही 5 महीने के दुधमुंहे बच्चे को मौत के घाट उतार दिया। जिसके चलते इलाके में सनसनी फैल गई। जिस वक्त मां ने इस घटना को अंजाम दिया घर पर कोई नहीं था।सभी पड़ोस की एक शादी में शरीक होने गए थे, लौटने पर उनके होश उड़ गए।

बताया जा रहा है कि आरोपी महिला घर पर अकेली थी. इस दौरान वह अपने बच्चे को लेकर छत पर चली गई और पानी की टंकी का ढक्कन खोलकर मासूम को उसमें तब तक डुबोए रखा जब तक की उसकी जान नहीं चली गई। ससुराल वाले शादी से घर आए तो मासूम का शव देख सिहर उठे।

जब उन्होंने ने बहू से बच्चे की मौत का कारण पूछा तो उसने बताया कि मैंने ही बच्चे को मार डाला है। यह सुनकर ससुराल वालों के पैरों तले जमीन खिसक गई।जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और हत्यारोपी महिला को हिरासत में ले लिया गया। परिजनों का कहना है कि बहू पर भूत प्रेत का साया है, जिस वजह से उसने इस घटना को अंजाम दिया. वह काफी दिनों से अजीब व्यवहार कर रही थी। फिलहाल, पुलिस जांच–पड़ताल में जुटी हुई है।

तीस देशों के 90 अप्रवासी भारतीयों के साथ चार सौ श्रद्धालु पहुंचे राम मंदिर

संवाददाता–अयोध्या। श्रीराम मंदिर में सोमवार को 30 देशों के 90 अप्रवासी प्रतिनिधियों समेत दिल्ली के चार सौ श्रद्धालुओं का प्रतिनिधि मंडल रविवार शाम की अयोध्या पहुंचा। इस दल के सदस्यों ने सोमवार की सुबह श्रृंगार आरती के मौके पर रामलला का दर्शन पूजन किया। इस दौरान इन श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ करने के साथ ही श्रीरामलला के जयकारा लगाकर अपनी खुशी जताई। इसके पहले सभी श्रद्धालुओं ने बीती शाम मां सरयू की आरती का भी दर्शन किया था। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे वैश्विक भारत ब्रांड एंबेस्डर व अध्यक्ष दिल्ली स्टडी ग्रुप पूर्व विधायक डॉ. विजय जौली ने किया। उन्होंने बताया कि हम सभी ने बीते वर्ष 23 अप्रैल 2023 को 156 देशों व 7 महाद्वीपों की नदियों व समुद्रों के जल से राम मंदिर में अभिषेक किया गया था। उन्होंने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि हमारे जीवनकाल में

मंदिर का निर्माण हो गया और रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा भी हो गयी। उन्होंने बताया कि रामलला से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी पारी का मौका मिले और चार जून को एनडीए गठबंधन चार सौ पार सीटों के साथ बहुमत की सरकार बनाए। राम मंदिर पहुंचे सभी श्रद्धालुओं ने रामलल्ला का दर्शन कर राम मंदिर की सुंदर संरचना का भी अवलोकन किया। इसके साथ तस्वीरें भी ली। इन सभी श्रद्धालुओं का स्वागत तीर्थ क्षेत्र की ओर से पुजारियों ने चंदन तिलक के साथ राम नामी भेंट कर किया। इस अवसर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख राम लाल जी, विश्व हिन्दू परिषद के संरक्षक दिनेश जी, उज्बेकिस्तान के व्यवसायी व प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित अशोक कुमार तिवारी, महामंत्री हिमालय परिवार भूपेंद्र कंसल मौजूद रहे। इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने जहां रविवार को सरयू आरती का दर्शन किया। वहीं अपराह्न हनुमानगढ़ी में भी माथा टेका। इस प्रतिनिधिमंडल में भूटान राजदूत मेजर जनरल वेत्सोप नामग्याल, काउंसलर दोरजिक किंजांग, चीन गणराज्य (ताइवान) प्रतिनिधि कुमारी त्साई जेन चुन, भारत में रोमानिया महावाणिज्य दूत विजय मेहता व टुवालू महावाणिज्य दूत डॉ. दीपक जैन और निर्वासित तिब्बत संसद स्पीकर खेंपो सोनम तेनफेल उपस्थित रहे।

दर्शन करने वाले प्रवासी भारतीयों में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, भूटान, कनाडा, कोलंबिया, कंबोडिया, जॉर्जिया, गुयाना, केन्या, कजाकिस्तान, मलेशिया, मोजाम्बिक, मकाऊ, नाइजीरिया, नेपाल, नॉर्वे, रोमानिया, रवांडा, स्पेन, सिंगापुर, सिंट मार्टेन, चीन गणराज्य (ताइवान), ताजिकिस्तान, त्रिनिदाद एण्ड टोबैगो, तुवालु, तिब्बत, युगांडा, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, संयुक्त राज्य अमेरिका इत्यादि देशों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इन सभी के सुविधाओं की व्यवस्था दिल्ली के समाजसेवी गोपाल गर्ग ने की।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

संवाददाता–अयोध्या। बीकापुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत असरेव मोड़ के निकट बुलेरो वाहन और बाइक में जबरदस्त भिड़ंत होने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान ग्रामीणों ने घायल युवक को बीकापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक देख दर्शन नगर ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। दर्शन नगर ट्रामा सेंटर के डाक्टरों ने लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। लखनऊ ले जाते ही रास्ते में युवक ने दम तोड़ दिया। मृतक युवक के चाचा अजय कुमार पाण्डेय ने हिन्दुस्तान को बताया कि 25 वर्षीय युवक रोहित पाण्डेय पुत्र दिनेश कुमार पाण्डेय निवासी ग्राम पंचायत कोंछा मजरे पूरे अमीर पाण्डेय का पुरवा को बुलेरो वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक में टक्कर लगने के बाद बोलेरो अनियंत्रित होकर विद्युत पोल में जा टकराई। बोलेरो वाहन भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

मुझपर हमला करने वाले समाजवादी गुंडे थे –संजय निषाद

संवाददाता–संतकबीरनगर। कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद ने अपने ऊपर हुए हमले के बाद पत्रकार वार्ता में मारपीट की इस घटना के लिए समाजवादी पार्टी के समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया है। डॉ संजय ने इस घटना को लेकर एक वीडियो भी जारी किया। इस वीडियो में कुछ लोग मंत्री डॉ संजय निषाद से हाथापाई करते नजर आ रहे हैं। डॉ. संजय निषाद ने बताया कि शादी समारोह में कुछ अराजक तत्व उनके बेटे सांसद प्रवीण निषाद और उनके बारे में कुछ अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे। मैंने उनको समझाने के लिए बुलाया, लेकिन मौजूद लोग भड़क गए और मेरे ऊपर हमला कर दिया। इस हमले में मेरा चश्मा भी टूट गया। मुझे चोट भी आई है। कहा, यह समाजवादी गुंडे हैं। हमारी सरकार ने बहुत से गुंडों का सफाया किया है। कुछ रह गया है। वह भी साफ हो जाएंगे। यह समाजवादी के समाप्तवादी गुंडे हैं। इनमें से पहले भी एक व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज है। कहा कि हमने लिखित तौर पर पुलिस को सूचना दिया है। पुलिस अपने हिसाब से कार्रवाई कर रही है। कहा कि भाजपा सरकार में जंगल राज का पूरा सफाया किया गया है।

गोपलापुर में नाली निर्माण का नगर आयुक्त ने औचक निरीक्षण किया

संवाददाता–गोरखपुर। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल, सोमवार को साइकिल से औचक निरीक्षण को गोपलापुर पहुंचे। निरीक्षण में पाया कि कुछ स्थानों पर ठेकेदार द्वारा बिना अतिक्रमण हटवाए ही नाला का एलाइनमेंट बदलते हुए निर्माण करा दिया है। इस पर अवर अभियंता अभय सोनकर को निर्देशित किया कि जिन लोगों ने अपने घरों से आगे बढ़ सड़क अतिक्रमण किया है, उसे तोड़ कर एंड टू एंड नाले का निर्माण कराएं। अधिशासी अभियंता अशोक कुमार भाटी को नाला का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान गोपलापुर वार्ड में सरकारी जमीन पर बने पोखरा का पैमाइश कर बाड़बंदी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने गोपालपुर शिव मंदिर के पास जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए निर्माणाधीन नाला का निरीक्षण किया। सफाई निरीक्षक सुनील मणि त्रिपाठी को निर्देशित किया कि नालियों से सिल्ट निकलवाएं। निरीक्षण के दौरान सफाई कर्मचारी नालियों की सफाई करते और सिल्ट निकालते मिले। निरीक्षण के दौरान जोनल अधिकारी सहायक अभियंता एनडी पांडेय, जोनल अधिकारी कर अधीक्षक ओपी यादव, सफाई निरीक्षक

सुनील मणि त्रिपाठी, अंकित यादव समेत अन्य उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अवेडकरनगर चौराहे से फिराक गोरखपुरी चौक होते रुस्तमपुर ढाले तक कई जगह कूड़े के ढेर पड़े मिले। इस रोड पर नगर निगम की डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन भी करती है। लोगों ने बताया कि कुछ अपने घरों का कूड़ा गाड़ी में न देकर सड़क पर फेंक रहे हैं। नगर आयुक्त ने जोनल अधिकारी ओपी यादव को ऐसे लोगों को चिन्हित कर ईटीएफ की सहायता से जुर्माना वसूलने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त हरिहर प्रसाद दुबे मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के पीछे वाली कॉलोनी की सड़कों पर नाली का पानी बहता पाया। नगर आयुक्त के पूछने पर सफाई निरीक्षक ने बताया कि बेतियाहाता में स्थित सर्राफ रेजीडेंसी से हर दिन सुबह सीवर का पानी नालियों में डाला जाता है। इस कारण कॉलोनियों की नालियां कुछ देर के लिए ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहने लगती हैं। नगर आयुक्त ने निर्देशित किया गया कि सर्राफ रेजीडेंसी को नोटिस देकर उनके सीवर का पानी मुंशी प्रेमचन्द पार्क की तरफ के बड़े नाले में बहाने के लिए निर्देशित करें। नगर आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान पाया कि फलमंडी गेट के सामने बड़े पोकलेन मशीन से नाला सफाई का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने जोनल अधिकारी को निर्देशित किया कि बरसात से पूर्व अपने जोन के समस्त बड़े, मझोले एवं छोटे नालों की कम से कम 3 बार अच्छे से सफाई करा लें, ताकि बरसात के समय जलजमाव की समस्या न हो। इसके पूर्व नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने फलमंडी गेट के सामने चल रहे नाला सफाई कार्य का निरीक्षण किया।

गन्ने की फसल में हो रहा पायरिला कीट का प्रकोप

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में गन्ने की फसल में पायरिला कीट का प्रकोप हो रहा है। गन्ने में नुकसान भी सबसे अधिक नुकसान पायरिला कीट से होता है। यह कीट फसलों को चट कर नष्ट करते हैं। पत्तियों के रस को चूस लेते हैं। इसकी वजह से फसलों की ग्रोथ पूरी तरह से रुक जाती है। गन्ने की फसल में उन खेतों में पायरिला कीट का प्रकोप अधिक होता है, जिन खेतों में यूरिया की मात्रा का प्रयोग अधिक किया गया होता है। नत्रजन की मात्रा अधिक होने की वजह से पत्तियां मुलायम हो जाती हैं। ऐसे खेतों में कीट लगने की आशंका अधिक होती है। किसानों को चाहिए कि खेतों में नत्रजन का प्रयोग कम से कम करें और नमी को अधिक बनाए रखें। खेत में नमी होने पर पायरिला कीट के परजीवी पनपते हैं, जो किसानों के मित्र होते हैं। यह पायरिला कीट को स्वतः नष्ट कर देते हैं।

नशीले पदार्थ युवाओं के कॅरियर में बाधक -प्रो. अनूप

संवाददाता–अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग में एक युद्ध– नशे के विरुद्ध अभियान के तहत पोस्टर मेकिंग और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें विभिन्न विभागों के छात्र– छात्राओं ने 'युवा सशक्तिकरण: नशीले पदार्थों का बहिष्करण विषय पर हिस्सा लिया। इस मौके पर विवि के नार्को को–आर्डिनेशन मैकेनिज्म सेन्टर के नोडल अधिकारी प्रो. अनूप कुमार ने छात्र– छात्राओं को नशीले पदार्थों से दूर रहने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के सेवन से युवाओं के मन– मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इससे धीरे– धीरे सोचने– समझने की क्षमता खत्म हो जाएगी।

बकाया न देने वाले कपड़ा व्यापारियों की प्रकाशित होगी सूची, जीएसटी अधिकारियों को भी देंगे जानकारी

संवाददाता–गोरखपुर। उधार पर कपड़ा लेकर गायब हो जाने वाले व्यापारियों की सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके लिए चैंबर आफ टेक्सटाइल्स ने कपड़ा व्यापारियों ने सूची मांगी है। सूची में व्यापारी के फर्म का नाम, व्यापारी का नाम, पता और बकाया की पूरी राशि की सूचना रहेगी। इसके बाद भी बकाया न जमा होने पर संगठन ने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

चैंबर आफ टेक्सटाइल्स के अध्यक्ष राजेश नेभानी ने कहा कि कपड़ा व्यापारी उधार पर टिका है। दूर–दराज से आए व्यापारी उधार पर कपड़ा लेकर जाते हैं और इसे बेचकर उधार चुकता करते हैं। यह हमेशा से होता आया है लेकिन अब कई व्यापारी कपड़ा तो उधार ले जा रहे हैं लेकिन समय से रुपये वापस नहीं कर रहे हैं। और तो और उधार होने के बाद वह दुकान भी छोड़ दे रहे हैं। जिस दुकान पर उधार लगाए हैं उसे छोड़कर दूसरे के यहां से कपड़ा खरीदने लगते हैं। इन दुकानों पर उधार लगाकर तीसरे दुकानदार से कपड़ा लेने लगते हैं। व्यापारियों को इसकी जानकारी नहीं होती कि जिसे वह उधार दे रहे हैं वह दूसरे दुकान पर उधार लगाकर गायब है। सूची बनने से पता चल जाएगा कि एक व्यापारी कितनी दुकानों पर उधार लगाकर बैठा है। इससे व्यापारियों को तो जानकारी होगी ही, उन व्यापारियों का नाम सामने आ जाएगा जो इस तरह के कार्यों में लिप्त हैं। राजेश नेभानी ने कहा कि सभी व्यापारी अपने लेटर पैड पर उधार लगाने वाले व्यापारी की पूरी जानकारी देंगे। यह लेटर पैड राघे सिंथेटिक दीवान दयाराम में जमा होगी। सूची संबंधित जिलों के वाणिज्यकर विभाग के अधिकारियों को भी सौंपी जाएगी ताकि उन्हें भी पता चल सके कि कपड़ा व्यापारी कितने रुपये का उधार दे चुके हैं। कहा कि कपड़ा व्यापारियों के करोड़ों रुपये बाजार में फंसे हैं।

राप्ती नदी में छलांग लगा रहे प्रेमी युगल को पुलिस ने बचाया

संवाददाता–गोरखपुर। थाना क्षेत्र के मछलीगांव निवासी युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध कुछ माह से चल रहा था। किसी से बात से नाराज प्रेमी जोड़े ने एक साथ राप्ती नदी करमैनीघाट के पुल पर आकर नदी में छलांग लगाने जा रहे थे। इससे पहले दोनों में विवाद हुआ। राहगीर ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस महज 100 मीटर दूरी पर थी और दौड़कर राहगीरों के मदद से दोनों पकड़ कर आवश्यक कार्रवाई कर रही है। बताया जाता है कि दोनों का देवर भाभी का रिश्ता है।

मछली के सालन के लिए बारात में मारपीट, पुलिस की मौजूदगी हुई शादी

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के एक गांव में रविवार की रात शराब के नशे में धुत बारातियों ने मछली के सालन के लिए पहले दुल्हन के भाई के ऊपर खाना फेंक दिया और उसके बाद विवाद में बारातियों ने घरातियों पर ईंट पत्थर चलाने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस को देख बाराती भाग खड़े हुए। जिसके बाद पुलिस की मौजूदगी में शादी संपन्न हुई।

मिली जानकारी के अनुसार गोरखनाथ क्षेत्र के रामपुर नयागांव निवासी विजय पुत्र सुभाष की बारात रविवार की रात गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक गांव में आई हुई थी। बारात में आये आठ दस मनबढ़ युवक बैंड बाजे पर नाच रहे थे। शराब के नशे में धुत होकर रात लगभग एक बजे खाना मांगने लगे। लड़की पक्ष ने चावल, रोटी और मछली थाली में परोस दिया। सालन आने में देरी होने पर नाराज एक युवक ने लड़की के चचेरे भाई के ऊपर खाना फेंक दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच ईंट पत्थर और लाठी डंडे चलने लगा। मारपीट में दोनों पक्षों से चार लोग घायल हो गये। लड़की पक्ष ने घटना की सूचना डायल 112 पर दी। मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर बाराती भाग निकले,जिसके बाद पुलिस की मौजूदगी में शादी संपन्न हुई। प्रभारी निरीक्षक गुलरिहा शशिभूषण राय ने बताया इस घटना के संबंध में कोई तहरीर नहीं मिली है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 T 202317650303574
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक हर्रैया जिला–बस्ती
कमला देवी
बनाम
शिवपूजन आदि

1. शिवपूजन 2. रामपूजन 3. हरिपूजन पुत्रगण रामसहाय उर्फ रमाकान्त 4. मालती पत्नी रामसहाय 5. मधु पुत्री रामसहाय नावालिगान मालती माता हकीकी साकिन रीवां तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 26–04–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 26 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 19 माह 04 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0
धारा 34 उ0प्र0रा0सं02006
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार विक्रमजोत हर्रैया जिला–बस्ती
सज्जाद खां
बनाम
मोहम्मद शफी खां

1. सज्जाद खां कथित पुत्र मोहम्मद शफी खां साकिन मलौली गोसाई तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 01–05–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 01 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 04 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 1072 / 2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
पीर मोहम्मद
बनाम
श्रीमती कुसुमलता आदि

1. श्रीमती कुसुमलता उम्र लगभग 42 वर्ष पत्नी देवमणि साकिन ऊॅजी मुस्तहकम तप्पा ऊॅजी परगना मगहर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
2. झिनकान उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र हंकार सिंह साकिन ऊॅजी मुस्तहकम तप्पा ऊॅजी परगना मगहर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 52 / 2020
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
आशा देवी
बनाम
रामफेर

1/1 अजय उम्र लगभग 27 वर्ष 1/2 राजन उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्र स्व0 रामफेर 1/3 श्रीमती शान्ती उम्र लगभग 55 वर्ष पत्नी स्व0 रामफेर 1/4 निर्मला उम्र लगभग 25 वर्ष 1/5 काजल उम्र लगभग 23 वर्ष पुत्रीगण स्व0 रामफेर 1/6 सीमा उम्र लगभग 30 वर्ष पत्नी अनिल 1/7 गुड़िया उम्र लगभग 36 वर्ष पत्नी जोखू पुत्री स्व0 रामफेर निवासीगण ग्राम मितेहरा तप्पा सगरा परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती 1/8 अंजली उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्री स्व0 रामफेर साकिन छनवतिया तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती 1/9 उर्मिला उम्र लगभग 32 वर्ष पत्नी राकेश पुत्री स्व0 रामफेर ग्राम लोहरौली तप्पा सगरा परगना मगहर पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 22–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 592 / 2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
रंजना उपाध्याय आदि
बनाम
ओम प्रकाश आदि

1. ओम प्रकाश आयु लगभग 40 वर्ष
2. इन्द्रजीत आयु लगभग 33 वर्ष पुत्रगण स्व0 राम पियारे साकिनान ग्राम रूधौली कला तहसील रूधौली परगना मगहर पश्चिम जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष
3. मोहन आयु लगभग 43 वर्ष पुत्र स्व0 राम पियारे साकिनान ग्राम रूधौली कला तहसील रूधौली परगना मगहर पश्चिम जिला–बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 22–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 508 / 2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
अजमेरूनिंशा
बनाम
अकबर अली आदि

1. अकबर अली पुत्र रमजान अली साकिन महमूदपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती –प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. असगर अली पुत्र रमजान अली साकिन महमूदपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 29–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

डिवाइडर से टकराकर पलटी बस, चार लोग घायल

संवाददाता–गोरखपुर। कोतवाली क्षेत्र में साऊखोर मार्ग पर चालक को झपकी आने से तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। चिकित्सकों ने सभी घायलों को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। रविवार को रात 12 बजे खजनी से एक बस 15 यात्रियों को लेकर बारात में आजमगढ़ जा रही थी। बस में सवार यात्री ने बताया कि गोरखपुर हाइवे पर चालक को झपकी आ गई। ऐसे में रात करीब 12 बजे तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर साऊखोर मेन मार्केट के सामने डिवाइडर से टकराकर पलट गई। बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों की सूचना पर कस्बा इंचार्ज संजय पाल पुलिस टीम के साथ पहुंच कर घायलों को सीएचसी बड़हलगंज भेजा।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com